हरिभूमि
भिवानी-दादरी भूमि
रोहतक, रविवार 3 मई 2026

11 मजदूरों के हक की आवाज बुलंद कर एटक ...

12 नगर पालिका कर्मचारी संघ ने हड़ताल पांच तक बढ़ाई

वीरवान पाना क्षेत्रवासियों ने जताया रोष, अवैध रूप से पाइप लाइन काटने का आरोप

6 दिन से पेयजल की बूंद-बूंद को तरसे वार्ड 27 क्षेत्रवासी

24 घंटों में पेयजल सप्लाई दुरूस्त नहीं की तो करेंगे रोड जाम प्रशासन को चेताया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

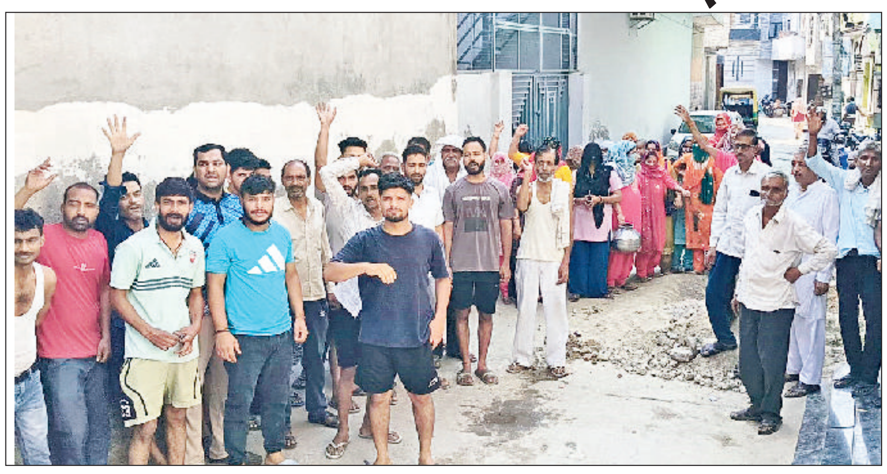

भिवानी। वार्ड 27 में पेयजल समस्या के विरोध में नोरबाजी करते क्षेत्रवासी। फोटो : हरिभूमि

शहर के वार्ड नंबर 27 में पेयजल संकट ने विकराल रूप धारण कर लिया है। पिछले छह दिनों से घरों के नल सूखे पड़े हैं, जिससे क्षेत्रवासियों का धैर्य जवाब दे गया है। क्षेत्रवासियों ने शनिवार को वार्ड नंबर-27 के वीरवार पाना में प्रशासन व संबंधित विभाग के खिलाफ कड़ा रोष जताते हुए आरोप लगाया कि कुछ रसूखदार लोगों को फायदा पहुंचाने के लिए बिना आधिकारिक अनुमति के पेयजल लाइन को अवैध तरीके से काट दिया गया। क्षेत्रवासियों ने आरोप लगाया कि समस्या प्राकृतिक नहीं, बल्कि जान बूझकर पैदा की गई है। उन्होंने कहा कि कुछ दिन पहले विभाग के कर्मचारियों ने ये कहकर खुदाई शुरू की थी कि यहां काला एवं गंदा पानी आता है, जबकि हकीकत में पानी की सप्लाई बिल्कुल सुचारू थी।

उन्होंने बताया कि बिना किसी ठोस कारण और बिना उच्चाधिकारियों की अनुमति के लाइन को काट दिया, जिसके चलते करीब 60 परिवारों के सामने पीने के पानी का संकट खड़ा हो गया है। उन्होंने कहा कि प्रशासन की ऐसी क्या मजबूरी थी कि एक सुचारू लाइन को काटकर 60 परिवारों को प्यासा छोड़ दिया, ये सब किसी खास व्यक्ति के निजी फायदे के लिए किया गया है। समस्या सिर्फ पानी की कमी तक सीमित नहीं है। वार्डवासियों ने बताया कि इलाके में सीवरेज की व्यवस्था पूरी तरह ठप है। पाइप लाइन कटने एवं सीवरेज जाम होने के कारण स्थिति बदत्तर हो गई है। जब भी लोग पानी खींचने के लिए मोटर चलाते हैं, तो नलों से बदबूदार सीवरेज का पानी आता है, जिससे महामारी फैलने का डर बना हुआ है। उन्होंने इस संबंध में संबंधित अधिकारियों से गुहार लगाई थी। अधिकारियों ने आश्वासन दिया कि जल्द सप्लाई सुचारू कर दी जाएगी, लेकिन धरातल पर कोई कारवाई नहीं हुई।

▶▶| रसूखदारों को फायदा पहुंचाने को काटी 60 परिवारों की पेयजल लाइन

ये रहे मौजूद

प्रदर्शन करने वालों में क्षेत्रवासी दीपक, राहुल, सुरेंद्र, रवि, आनंद, बंटी राव, जैकी शर्मा, विनोद कुमार, संदीप, दयाकिशन, रामधारी, बनवारी, रिंकू, राजेंद्र, राजेश, संदीप, विकास, अभिषेक, मुन्ना, अजय, रामफल, सुशीला, लक्ष्मी, पूजा, राजबाला, रामकली व सावित्री आदि मौजूद रहे।

बिना परमिशन सरकारी पाइप लाइन काटने के दोषियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज

- पेयजल सप्लाई को अगले 24 घंटों के भीतर सुचारू किया जाए

नागरिकों का कहना है कि समस्या अधिकारियों की मिलीभगत से खुद पैदा की गई है। क्षेत्रवासियों ने मांग की कि बिना परमिशन सरकारी पाइप लाइन काटने के दोषियों के खिलाफ तुरंत एफआईआर दर्ज की जाए, पेयजल सप्लाई को अगले 24 घंटों के भीतर सुचारू किया जाए तथा जाम पड़े सीवरेज को साफ किया जाए, ताकि स्वच्छ जल की आपूर्ति सुनिश्चित हो सके। क्षेत्रवासियों ने प्रशासन को दो टूक शब्दों में चेतावनी दी कि जल्द समाधान नहीं किया तो वे सड़कों पर उतरकर जोरदार प्रदर्शन करेंगे और रोड जाम करने को मजबूर होंगे।

साइबर अपराधों पर अभेद्य ऐप लगाएगी लगाम, पुलिस ने लोगों को किया जागरूक

- पुलिस व जनता के बीच सुरक्षा कवच की तरह काम करेगी अभेद्य ऐप : इंस्पेक्टर जरनैल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

भिवानी। लोगों को जागरूक करते निरीक्षण जरनैल सिंह। फोटो : हरिभूमि

डिजिटल युग में बढ़ते साइबर अपराधों और फर्जी कॉल्स पर नकेल कसने के लिए भिवानी पुलिस अब तकनीकी रूप से और अधिक सशक्त हो गई है। पुलिस अधीक्षक सुमित कुमार के दिशा-निर्देशानुसार शनिवार को जैन चौक पुलिस चौकी में विशेष जागरूकता कार्यक्रम हुआ। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य आमजन को पुलिस द्वारा लांच की गई नई अभेद्य एप की कार्यप्रणाली और इसके फायदों से रूबरू करवाना था।

सिटी थाना प्रभारी इंस्पेक्टर जरनैल सिंह और जैन चौक चौकी इंचार्ज मनीष वालिया की अध्यक्षता में कार्यक्रम में पुलिस और जनता के बीच सीधा संवाद हुआ। इस मौके पर साइबर सेल की विशेष टीम से अमन, पवन, राजकुमार और सुखबीर भी मौजूद रहे, जिन्होंने तकनीकी पहलुओं पर क्षेत्रवासियों की शंकाओं का समाधान किया। इंस्पेक्टर जरनैल सिंह और चौकी इंचार्ज मनीष वालिया ने विस्तार से बताया कि अभेद्य ऐप साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में क्रांतिकारी कदम है। यह ऐप मोबाइल पर आने वाली संदिग्ध और फर्जी कॉल्स को पहचानने और उन्हें ब्लॉक करने में सक्षम है। फोन पर धमकी देने वाले या ठगी का प्रयास करने वाले आरोपियों को ट्रैक करने में ये ऐप पुलिस के लिए ब्रह्मास्त्र साबित हो रही है। उन्होंने कहा कि हर नागरिक इसे अपने फोन में इंस्टॉल करना चाहिए, ताकि वे सुरक्षित रह सकें। उन्होंने क्षेत्रवासियों से अपील की कि वे तकनीक का प्रयोग सांवधानी से करें।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर अग्रवाल सभा से प्रधान सुनील सर्राफ, मामन, भोली एमसी, सुरेश, विनोद, कल्लू राजपूत, राजकुमार सोलंकी, प्रदीप किराड़, बबलू हलवाई, हरीश, नरेश सैनी, विजय दहिया, सन्नी इटकान आदि मौजूद रहे।

किसान-आईडी के बिना कृषि योजनाओं का लाभ नहीं मिलेगा

भिवानी। कृषि एवं किसान कल्याण विभाग तथा हिन्दुस्तान गम एंड कैमिकल्स द्वारा खंड सिवानी के गाव रुपाना में कृषि शिविर लगाया, जिसमें विभिन्न फसलों का उत्पादन बढ़ाने के लिए आवश्यक जानकारी दी। कृषि विशेषज्ञ डॉ. शमशेर सिंह जांगड़ा ने किसानों से आग्रह किया कि वे विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने के लिए किसान आईडी अवश्य बनवाएं। उन्होंने समझाया कि भूमि की उपजाऊं शक्ति बनाये रखने लिए किसान प्राकृतिक खेती को अपनाएं व फसल अवशेषों को जलाने की बजाय भूमि में दबाए व उर्वरकों का तर्कसंगत प्रयोग करें। कृषि विशेषज्ञ डॉ. आरके सैनी ने ग्वार फसलों की कीटों व बीमारियों की रोकथाम के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होने ग्वार के उखेड़ा रोग की रोकथाम के लिए बिजाई से पहले बीज को कार्बन्डाजिम 50 प्रतिशत से उपचारित करने की सलाह दी। शिविर में नरमा की गुलाबी सुंडी के जीवन चक्र व रोकथाम के उपायों पर भी चर्चा की। उपस्थित किसानों को बीज उपचार की दवा के फ्री सैम्पल भी बांटे गए। सेवानिवृत प्रोफेसर जगदेव सिंह ने फसलों में जल प्रबंधन पर अपने विचार प्रकट किए तथा अंकुरायम प्रयोग की सलाह दी।

एलपीजी सिलेंडरों की कीमतों में बढ़ोतरी का माकपा ने किया विरोध, वापस लेने की मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बाढड़ा

- पांच किलो वाले गैर-सब्सिडी सिलेंडरों की कीमतों में वृद्धि को आमजन और छोटे व्यवसायों पर अतिरिक्त बोझ : सुमेर सिंह

भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) के पोलिट ब्यूरो ने एलपीजी गैस सिलेंडरों की कीमतों में हाल ही में हुई बढ़ोतरी का कड़ा विरोध जताया है।

पार्टी ने व्यावसायिक गैस सिलेंडरों तथा पांच किलो वाले गैर-सब्सिडी सिलेंडरों की कीमतों में हुई भारी वृद्धि को आमजन और छोटे व्यवसायों पर अतिरिक्त बोझ करार दिया है, ये बात कम्युनिस्ट पार्टी ब्लॉक सचिव कामरेड सुमेर सिंह धारणी ने प्रेस को जारी ब्यान में कही। उन्होंने कहा कि व्यावसायिक सिलेंडरों की कीमतों में लगभग एक हजार रुपये तक की अभूतपूर्व बढ़ोतरी का सीधा असर बाजार पर पड़ेगा। छोटे व्यापारी इस अतिरिक्त खर्च को उपभोक्ताओं पर डालने के लिए मजबूर होंगे, जिससे महंगाई और बढ़ेगी। इसके चलते कई छोटे प्रतिष्ठानों के बंद होने और रोजगार में कटौती की आशंका भी जताई गई है। उन्होंने कहा कि जहां 14 किलो के घरेलू सिलेंडरों की कीमतों में फिलहाल कोई बदलाव नहीं किया है, वहीं पांच किलो के सिलेंडरों की कीमत में 261 रुपये की भारी वृद्धि गरीब परिवारों और प्रवासी मजदूरों के लिए बड़ा झटका है। ये वर्ग आर्थिक तंगी के कारण छोटे सिलेंडरों पर निर्भर रहते हैं। पार्टी ने आरोप लगाया कि बढ़ती महंगाई के बीच यह फैसला आमजन की मुश्किलों को और बढ़ाएगा। गैस सिलेंडरों की कमी और बढ़ी कीमतों के कारण पहले ही कई प्रवासी मजदूर शहरों से गांवों की ओर लौटने को मजबूर हो चुके हैं और अब स्थिति और गंभीर हो सकती है। पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए माकपा ने इस मूल्य वृद्धि को तुरंत वापस लेने की मांग की।

लोहारू में विद्यार्थियों के कौशल विकास के लिए अहम समझौता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| लोहारू

- विद्यार्थियों को मिलेगी एआई की ट्रेनिंग

भिवानी। चौधरी बंसीलाल कॉलेज में समझौता हस्ताक्षर के दौरान मौजूद प्राचार्य व स्टाफ सदस्य।

चौधरी बंसीलाल राजकीय महाविद्यालय में पढ़ने वाले विद्यार्थियों को व्यावहारिक प्रशिक्षण, तकनीकी ज्ञान और आधुनिक विषयों का अनुभव सुनिश्चित करने को लेकर कॉलेज प्रशासन ने आईटी हब कम्प्यूटर इंस्टीट्यूट के साथ समझौता ज्ञापन साइन किया है। समझौता पर प्राचार्य डॉ. मुकेश कुमार चहर व अजय कुमार ने हस्ताक्षर किए हैं।

डॉ. मुकेश चहल व अजय कुमार ने बताया कि समझौते के तहत महाविद्यालय के स्नातक और स्नातकोत्तर विद्यार्थियों को व्यावहारिक प्रशिक्षण, तकनीकी ज्ञान और आधुनिक विषयों का अनुभव दिया जाएगा। प्रशिक्षण कार्यक्रम में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, साइबर सिक्योरिटी, क्लाउड कंप्यूटिंग, डेटा साइंस और मशीन लर्निंग जैसे क्षेत्रों को शामिल किया गया है। समझौते के अनुसार विद्यार्थियों को कॉलेज परिसर या आईटी हब लोहारू में 4 से 6 सप्ताह का प्रशिक्षण दिया जाएगा, जिसके बाद उन्हें प्रमाण पत्र भी प्रदान किए जाएंगे।

रोजगार क्षमता में वृद्धि होगी

साथ ही छात्रों को वास्तविक परियोजनाओं पर काम करने का अवसर मिलेगा, जिससे उनकी रोजगार क्षमता में वृद्धि होगी। कॉलेज प्रशासन ने बताया कि यह पहल राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप है, जिसमें विद्यार्थियों को व्यावहारिक प्रशिक्षण, इंटर्नशिप और कौशल आधारित शिक्षा से जोड़ने पर विशेष जोर दिया गया है, ताकि वे पढ़ाई के साथ-साथ रोजगार के लिए भी तैयार हो सकें। दोनों संस्थान मिलकर सेमिनार, वर्कशॉप, हैकाथॉन और डिजिटल साक्षरता कार्यक्रम भी आयोजित करेंगे। इस मौके पर डॉ सुखबीर सिंह, प्रो. उमेद जांगिड़, प्रो बजरंग सहित स्टाफ सदस्य मौजूद थे।

गोचारा के लिए गोशाला में दिए 1.55 लाख

कनीना। गाय के तैतीस कोटि देवता निवास करते हैं। जो गाय की सेवा से प्रसन्न होते हैं। ये विचार दिल्ली निवासी अश्वनी गोयल ने गो सेवा के प्रति आस्था दिखाते हुए कनीना की श्री कृष्ण गोशाला को 1.55 लाख की राशि भेंट करते हुए व्यक्त किए। यह राशि गोचारा के लिए दी गई है, मेडिकल व्यवसाय से जुड़े अश्वनी गोयल ने इसे सामाजिक और मानवीय कर्तव्य बताते हुए कहा कि गो सेवा समाज के प्रत्येक नागरिक की नैतिक जिम्मेदारी है। गोशाला प्रधान भगत सिंह ने आभार व्यक्त किया। इस सहयोग से गोवंश के लिए बेहतर चारा व्यवस्था सुनिश्चित हो सकेगी।

अज्ञात वाहन की टक्कर से टैंट सिलाई मास्टर की मौत

- घटना की सूचना मिलते ही परिवार में मातम छाया

नारनौल। गांव कारोली-तलोट के पास अज्ञात वाहन की टक्कर से एक दिव्यांग व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि हादसे के बाद चालक वाहन समेत मौके से फरार हो गया। पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ केस दर्ज किया है। जानकारी के अनुसार सवेरे निजामपुर रोड पर लोगों ने एक व्यक्ति के शव को देखा तथा इसकी जानकारी निजामपुर पुलिस को दी। पुलिस ने मौके पर पहुंच आवश्यक कार्रवाई करते हुए शव को कब्जे में ले उसे नागरिक अस्पताल पहुंचाया। बाद में मृतक की पहचान करीब 42 वर्षीय सुंदर लाल निवासी गांव माउंडा, तहसील नीमकाथाना (राजस्थान) के रूप में हुई है। सुंदर लाल नारनौल में टेंट सिलाई का काम करता था और वह अपने परिवार के पालन-पोषण के लिए रोजाना काम पर आता-जाता था। बताया जा रहा है कि शुक्रवार रात वह किसी कार्य से पैदल ही लौट रहा था, तभी गांव कारोली-तलोट के पास किसी अज्ञात वाहन ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि सुंदर लाल की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद वाहन चालक मौके से फरार हो गया। सुबह करीब 6 बजे तलोट के ग्रामीणों ने सड़क किनारे शव पड़ा देखा और तुरंत इसकी सूचना निजामपुर थाना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और शव को कब्जे मे ले लिया।

मालगाड़ी की चपेट में आने से युवक की मौत

नारनौल। निजामपुर रेलवे स्टेशन के पास डेडीकेटिड फ्रेट कॉरिडोर (डीएफसी) लाइनों पर मालगाड़ी की चपेट में आने से एक युवक की मौत हो गई। युवक मेहाड़ा का रहने वाला था। जीआरपी चौकी प्रभारी कैलाश शर्मा ने बताया कि शुक्रवार को राजस्थान के नीमकाथाना जिला के गांव मेहाड़ा का करीब 25 वर्षीय सोनू किसी काम से निजामपुर आया था। निजामपुर के रेलवे स्टेशन के पास वह फ्रेड कॉरिडोर की लाइनों को क्रॉस कर रहा था। इस दौरान वह अज्ञात मालगाड़ी की चपेट में आ गया, जिसकी सूचना जीआरपी चौकी को मिली।

जयपुर गए नायन के व्यक्ति की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत, हत्या का आरोप

- राकेश के शरीर पर गंभीर चोटों के निशान थे

नारनौल। गांव नायन निवासी करीब 45 वर्षीय राकेश पुत्र बुधराम की जयपुर में मौत हो गई। राकेश पिछले 16-17 दिन पहले गांव के ही रोशन नामक व्यक्ति के साथ चिनाई का काम करने जयपुर गया था। गुरुवार एक मई शाम परिजनों को फोन कर सूचना दी गई कि राकेश की करंट लगने से मौत हो गई है। इसके बाद रोशन शव को गांव लेकर पहुंचा, लेकिन शव की हालत देखकर परिजनों ने हत्या की आशंका जताते हुए अंतिम संस्कार करने से इनकार कर दिया। मृतक के भाई शेर सिंह ने आरोप लगाया कि राकेश के शरीर पर गंभीर चोटों के निशान थे। उन्होंने बताया कि हाथों से लेकर पेट तक बुरी तरह मारपीट के निशान दिखाई दिए, शरीर के कई हिस्सों की चमड़ी काली पड़ चुकी थी और नाक से गहरा खून निकल रहा था। परिजनों का कहना है कि यदि मौत करंट लगने से हुई होती, तो शरीर पर उसके निशान दिखाई देते, लेकिन ऐसा नहीं था। इसी कारण परिवार ने इसे संदिग्ध मानते हुए निष्पक्ष जांच की मांग उठाई। मृतक शादीशुदा था तथा उसके दो लड़के व एक लड़की है। परिजनों के अनुसार रोशन ने बताया था कि राकेश ने चार दिन पहले एक काम पूरा कर लिया था।

पांच राज्यों के चुनाव होते ही भाजपा सरकार ने जनता को दिया महंगाई का तोहफा : नरेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

▶▶| कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमतों में 993 रुपये की ऐतिहासिक वृद्धि ने तोड़ी आमजन की कमर

पांच राज्य पश्चिम बंगाल, केरल, तमिलनाडु, असम और पुडुचेरी के विधानसभा चुनाव संपन्न होते ही केंद्र की मोदी सरकार ने आमजन की जेब पर अब तक का सबसे बड़ा प्रहार किया है। कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमतों में 993 रुपये की ऐतिहासिक वृद्धि कर सरकार ने साफ कर दिया कि चुनाव खत्म होते ही अच्छे दिन का वादा केवल छलावा था, ये बात वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं रिटायर्ड बैंक महाप्रबंधक नरेश तंवर ने कही।

उन्होंने कहा कि सरकार के फैसले के बाद 19 किलो वाला कमर्शियल सिलेंडर अब 3071 रुपये के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है। यह देश के इतिहास में एक बार में की गई सबसे बड़ी वृद्धि है।

तंवर ने फैसले को जनविरोधी करार देते हुए कहा कि भाजपा ने फिर से जनता को महंगाई की आग में झोंक दिया। तंवर ने चेतावनी दी कि सरकार ने उज्ज्वला योजना के नाम पर गरीबों को जो सपना दिखाया था, वह अब दुःस्वप्न बन चुका है। अगर समय रहते इन कीमतों को वापस नहीं लिया तो कांग्रेस कार्यकर्ता सड़कों पर उतरकर उग्र प्रदर्शन करने के लिए मजबूर होंगे। उन्होंने मांग की कि सरकार पेट्रोलियम कंपनियों के भारी-भरकम मुनाफे में कटौती करें, केंद्र सरकार टैक्स कम कर अपना मुनाफा छोड़े, ताकि जनता को राहत मिल सके। वहीं बढ़ी हुई कीमतों को तत्काल प्रभाव से वापस लिया जाना चाहिए।

एमए हिंदी, अंग्रेजी, राजनीति विज्ञान की कक्षाएं शुरू करने और बीए की सीट बढ़ाने की मांग

कस्बे व आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के लिए दूर-दराज के शहरों में जाना पड़ता है

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सतनाली मंडी

सतनाली। प्राचार्य को ज्ञापन सौंपते एबीवीपी कार्यकर्ता। फोटो : हरिभूमि

एबीवीपी नगर सतनाली इकाई ने राजकीय महाविद्यालय सतनाली में एम हिन्दी, अंग्रेजी एवं राजनीति विज्ञान की कक्षाएं प्रारंभ करने तथा बीए पाठ्यक्रम में सीटों की संख्या बढ़ाने की मांग का ज्ञापन सौंपा।

प्राचार्य डा. सुधीर लांबा को शिक्षा मंत्री के नाम सौंपे ज्ञापन में एबीवीपी कार्यकर्ताओं ने बताया कि इस सतनाली कॉलेज में एमए स्तर पर हिन्दी, अंग्रेजी और राजनीति विज्ञान जैसे महत्वपूर्ण विषय उपलब्ध नहीं होने से कस्बे व आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के लिए दूर-दराज के शहरों में जाना पड़ता है। जिससे उन्हें आर्थिक, समय और परिवहन से जुड़ी कई समस्याओं का सामना करना पड़ता है। कई बार छात्र-छात्राएं इन कठिनाइयों के कारण अपनी पढ़ाई बीच में ही छोड़ने को मजबूर हो जाते हैं। इसके अलावा कॉलेज में बीए पाठ्यक्रम में सीटों की संख्या बढ़ाने की मांग करते हुए कहा कि वर्तमान में सीटें कम होने के कारण हर वर्ष अनेक योग्य विद्यार्थी प्रवेश से वंचित रह जाते हैं। इस दौरान कॉलेज स्टाफ से डा. जरनैल सिंह भी मौजूद रहे। एबीवीपी नगर अध्यक्ष डा. विपिन कुमार एवं नगर मंत्री सचिन कुमार ने कहा कि एबीवीपी विद्यार्थियों के हितों के लिए कार्य करती रही है।

इस मौके पर ललित, प्रिंस लांबा, कार्तिक, आशीष, अरमान, महारथी, प्रिया, संजू आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

युवती को झांसे में लेकर ठगे लाखों

- विदेशी गिफ्ट के झांसे में आकर मेहनत की बड़ी कमाई गंवाई

महेंद्रगढ़। डिजिटल युग में साइबर अपराधी मासूम लोगों को ठगने के लिए नए-नए तरीके अपना रहे हैं। ताजा मामला सतनाली क्षेत्र के गांव का है, जहां एक युवती विदेशी गिफ्ट के झांसे में आकर अपनी मेहनत की बड़ी कमाई गंवा बैठी। पुलिस ने इस संबंध में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 14 मार्च को उनके पास अनजान अंतरराष्ट्रीय नंबरों से व्हाट्सऐप कॉल आई। फोन करने वाले ने खुद को यूके इंग्लैंड का निवासी बताया। बातों के जाल में फंसाकर आरोपित ने युवती को कीमती गिफ्ट भेजने का लालच दिया। गिफ्ट के नाम पर सीमा शुल्क और अन्य शुल्कों के बहाने आरोपितों ने युवती से कुल 255599 रुपये धोखाधड़ी से ऐंठ लिए गए। ठगी का अहसास होने पर पीड़िता ने तुरंत साइबर हेल्पलाइन पर शिकायत दर्ज कराई।

दैनिक रेल यात्री एवं जन कल्याण संघ ने रेलवे स्टेशन अधीक्षक को सौंपा मांग पत्र

- नारनौल रेलवे स्टेशन से जुड़े यात्रियों की उठाई मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

नारनौल। रेलवे स्टेशन अधीक्षक को मांग पत्र सौंपते संघ सदस्य। फोटो :हरिभूमि

दैनिक रेल यात्री एवं जन कल्याण संघ की ओर से रेलवे स्टेशन अधीक्षक के माध्यम से उत्तर पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक जयपुर को एक विस्तृत ज्ञापन सौंपा गया। इस ज्ञापन में स्टेशन पर यात्रियों को मिल रही मूलभूत सुविधाओं के विस्तार, सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने तथा यात्री सुविधा से जुड़े विभिन्न मुद्दों को प्रमुखता से उठाया गया। ज्ञापन की प्रतिलिपि मंडल रेल प्रबंधक, वरिष्ठ मंडल अभियंता एवं वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त को भी प्रेषित की गई है, ताकि इन मांगों पर शीघ्र प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित हो सके। संघ के अध्यक्ष गणेश शर्मा ने बताया कि नारनौल रेलवे स्टेशन क्षेत्र का एक महत्वपूर्ण एवं व्यस्त स्टेशन है, जहां प्रतिदिन हजारों की संख्या में यात्री आवागमन करते हैं। इसके बावजूद स्टेशन पर सुरक्षा व्यवस्था एवं बुनियादी सुविधाओं का अपेक्षित स्तर पर विकास नहीं हो पाया है। उन्होंने विशेष रूप से स्टेशन परिसर में पर्याप्त संख्या में आधुनिक सीसीटीवी कैमरे लगाए जाने की मांग की, जिससे यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके और असामाजिक गतिविधियों पर नियंत्रण रखा जा सके। संघ के पदाधिकारियों ने यह भी बताया कि प्लेटफॉर्म संख्या 2 पर वर्तमान यात्री शेड काफी छोटा एवं अपर्याप्त है, जिसके कारण यात्रियों को धूप, गर्मी एवं बारिश के दौरान भारी असुविधा होती है। उन्होंने शीघ्र प्रभाव से यात्री शेड के विस्तार एवं सुधार की मांग की, ताकि यात्रियों को मौसम की मार से बचाया जा सके।

खबर संक्षेप

विश्व शांति अनुष्ठान में 150 यूनिट रक्त एकत्रित

भिवानी। गुजरानी रोड स्थित सतलोक आश्रम में संत रामपाल महाराज के सान्निध्य में तीन दिवसीय विश्व शांति महाधार्मिक अनुष्ठान का भव्य आयोजन किया जा रहा है। एक मई से शुरू हुआ अनुष्ठान 3 मई तक जारी रहेगा, जिसमें भारी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। संत रामपाल महाराज के अनुयायियों ने उनके मूल मंत्र को दोहराते हुए कहा कि महाराज का मुख्य उद्देश्य पूरे संसार में मानव समाज को एकजुट करना है। आश्रम के सेवादारों ने महाराज के प्रसिद्ध नारे को उद्धत करते हुए कहा कि जीव हमारी जाति है, मानव धर्म हमारा हैं, हिंदू-मुस्लिम-सिख-ईसाई, धर्म नहीं कोई न्यारा हैं। इसी विचारधारा के साथ अनुष्ठान में जाति-पाति और धर्म के भेदभाव से ऊपर उठकर सभी वर्ग के लोग सम्मिलित हो रहे हैं।

अशोक बुवानीवाला निकाय चुनाव में प्रभारी नियुक्त

भिवानी। हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा प्रदेश में होने जा रहे निकाय चुनावों को लेकर प्रचार की तैयारियां तेज कर वरिष्ठ कांग्रेस नेता अशोक बुवानीवाला को महत्वपूर्ण दायित्व सौंपा है। कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राव नरेन्द्र ने पत्र के माध्यम से उन्हें जिम्मेदारी सौंपते हुए पंचकूला, अंबाला, सोनीपत, रेवाड़ी एवं धारूहेड़ा में महापौर व अध्यक्ष पदों के लिए पार्टी प्रत्याशियों के चुनाव प्रचार का प्रभारी नियुक्त किया है। ज्ञात रहें कि अशोक बुवानीवाला इससे पूर्व भी विभिन्न राज्यों के विधानसभा एवं निकाय चुनावों में पर्यवेक्षक के रूप में अपनी जिम्मेदारियां सफलतापूर्वक निभा चुके हैं।

ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय में सम्मान समारोह पांच को

बहल। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की भगिनी संस्था राजयोग एजुकेशन एंड रिसर्च फाउंडेशन के समाजसेवा प्रभाग व ब्रह्माकुमारीज बहल द्वारा पांच मई को वरिष्ठ नागरिकों एवं समाजसेवकों का सम्मान समारोह का आयोजन किया जाएगा।

बहल केंद्र संचालिका राजयोगिनी बीके शकुंतला ने बताया कि बहल कस्बे में ब्रह्मादत्त धर्मशाला मे होने वाले कार्यक्रम के मुख्यतिथि पूर्व सरपंच गजानन्द अग्रवाल होंगे। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता मुंबई के अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त प्रेरक वक्ता ईवी गिरीश होंगे। बीके वीरेंद्र भाई और समाजसेवा प्रभाग के प्रदेश संयोजक बीके सुनील कार्यक्रम का संचालन करेंगे।

भिवानी के रक्तवीर की मुहिम लाई रंग

भिवानी। नर सेवा ही नारायण सेवा है इस ध्येय वाक्य को चरितार्थ कर भिवानी के शतकवीर रक्तदाता राजेश डुडेजा व समाजसेविका अंकिता राजपूत की टीम ने एक बार फिर मानवता की मिसाल पेश की है। अलीगढ़ निवासी मरीज जो ग्रेटर नोएडा के न्यूमेड अस्पताल में जीवन एवं मृत्यु के बीच संघर्ष कर रहा था के लिए दुनिया का सबसे दुर्लभ रक्त बॉम्बे ब्लड ग्रुप बंगलौर से सुरक्षित मंगवाकर उसकी जान बचाने में अहम भूमिका निभाई है।

मजदूरों की आवाज बुलंद कर मनाया श्रमिक दिवस, शहीदों को दी श्रद्धांजलि

लंबे संघर्ष व बलिदान का परिणाम, आठ घंटे काम करने का अधिकार : ईश्वर

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

चिरंजीव कॉलोनी स्थित एटक कार्यालय में अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस मनाया। कार्यक्रम की अध्यक्षता एटक के जिला प्रधान ईश्वर शर्मा ने की। इस अवसर पर संगठन का झंडा फहराया और शिकागो के उन अमर शहीदों को नमन किया, जिन्होंने मजदूरों के अधिकारों के लिए अपने प्राणों की आहुति दी थी। सभा को संबोधित करते हुए जिला प्रधान ईश्वर शर्मा ने मजदूर दिवस के गौरवशाली इतिहास पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि आज हम जो 8 घंटे काम का अधिकार पाते हैं, वह कोई खैरात नहीं बल्कि एक लंबे संघर्ष और बलिदान का परिणाम है। उन्होंने बताया कि एक मई 1886 को शिकागो की सड़कों पर मजदूरों ने 8 घंटे काम, 8 घंटे आराम और 8 घंटे मनोरंजन की मांग को लेकर जो आवाज उठाई थी, उसे दबाने के लिए गोलियां चलाई गईं, उन शहीदों के खून ने ही दुनियाभर के मजदूरों को एकजुट होने की प्रेरणा दी। श्रद्धांजलि सभा के बाद ईश्वर ने वर्तमान सरकार की नीतियों पर गहरा रोष व्यक्त किया। शर्मा ने कहा कि भाजपा सरकार ने दशकों के संघर्ष से हासिल किए 44 श्रम कानूनों को समाप्त कर उन्हें 4 लेबर कोड्स में बदल दिया है, जो पूरी तरह से पूंजीपतियों के हित में हैं। सरकारी विभागों में पक्की नौकरियों को खत्म कर कौशल निगम और ठेका प्रथा के जरिए युवाओं का शोषण किया जा रहा है, जहां न नौकरी की सुरक्षा है और न उचित वेतन दिया जा रहा। माकपा जिला सचिव कामरेड ओमप्रकाश ने कहा कि मजदूर दिवस केवल उत्सव मनाने का नहीं, बल्कि एक बड़े आंदोलन की तैयारी करने का है। मजदूर नेताओं ने चेतावनी दी कि सरकार ने अपनी मजदूर विरोधी नीतियों को वापस नहीं लिया और मजदूरों की मांग समान काम-समान वेतन और पुरानी पेंशन बहाली पर ध्यान नहीं दिया तो मजदूर यूनियन सड़कों पर उतरकर बड़ा आंदोलन छेड़ने को मजबूर होगी।

भाजपा ने दशकों के संघर्ष से हासिल किए श्रम कानूनों का समाप्त कर बनाए चार लेबर कोड्स

भिवानी। चिरंजीव कॉलोनी में एटक कार्यालय में अंतराष्ट्रीय मजदूर दिवस पर शहीदों को नमन करते मजदूर नेता एवं मजदूर।

ये रहे उपस्थित

इस अवसर पर जिला कमेटी के महासचिव अमरेश रॉय, उपप्रधान रणसिंह यादव, कोषाध्यक्ष फूलसिंह इंदौरा, अशोक सोलंकी, सोमबीर जांगड़ा, कामरेड सुखदेव, बलवान सिंह, कामरेड चरण सिंह यादव, बाल किशन बाली, रामप्रकाश, द्वारका प्रसाद, प्रदीप व राजेश तिवारी आदि मौजूद रहे।

बवानीखेड़ा। बीके स्कूल में कार्यक्रम में मौजूद अतिथि व अभिभावक।

आज के युग में बच्चों को मोबाइल से दूर रहना बड़ी चुनौतीः डॉ. जैन

- बीके स्कूल में नर्सरी से दूसरी कक्षा के अभिभावकों के लिए हुआ कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ⏭बवानीखेड़ा

बीके वमा विद्यालय में नर्सरी से दूसरी कक्षा के अभिभावकों के लिए पेरेंटिंग प्रोग्राम का आयोजन किया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य अभिभावकों को बच्चों के सर्वांगीण विकास में सहयोग करने और उन्हें आधुनिक जीवनशैली की चुनौतियों के लिए तैयार करने के बारे में जागरूक करना था। इस अवसर पर डॉ. आशु जैन ने बतौर वक्ता अपने विचार सांझा किए, जबकि मुख्यतिथि के रूप में सुरेश जांगड़ा ने कार्यक्रम की शोभा बढाई और अभिभावकों का मार्गदर्शन किया। विद्यालय प्रबंधन ने अतिथियों और अभिभावकों का आभार जताया। डॉक्टर आशु जैन ने बताया कि आज के समय में बच्चों का स्क्रीन और मोबाइल से दूर रहना एक बडी चुनौती है, जिसे केवल शिक्षक और अभिभावक मिलकर ही सुलझा सकते हैं। उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि वे अपने बच्चों की दिनचर्या में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए विद्यालय के साथ निरंतर संपर्क में रहें।

किया जागरूक

कार्यक्रम में विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से यह समझाया गया कि बच्चों को मोबाइल और स्क्रीन की लत से दूर कैसे रखा जाए। इसके साथ ही उनके दैनिक जीवन में अच्छी आदतें और अनुशासन कैसे विकसित किए जाएं। शिक्षकों व अभिभावकों ने मिलकर बच्चों के बेहतर भविष्य और विकास में आपसी सहयोग की रणनीति पर विचार-विमर्श किया। विद्यालय के छात्रों व अभिभावकों ने लघु नाटिका के माध्यम से माता-पिता और बच्चों के संबंधों को जीवंत रूप से दर्शाया, जिसे उपस्थित सभी लोगों ने खूब सराहा। प्रधानाचार्य पंकज कुमार मिश्रा ने कहा कि बच्चों की सफलता केवल अच्छे अंकों तक सीमित नहीं है, बल्कि उन्हें एक अच्छा और संवेदनशील इंसान बनाना ही असली पेरेंटिंग है। मौके पर वरिष्ठ विभाग संचालक योगेंद्र सिंह, कनिष्ठ विभाग संचालिका मंजू मलिक, हेमलता, आशा, दीप्ति, पूजा, गीतिका व रजनी आदि रहे।

सांसद जंगबीर के परिवार को दी सांत्वना

- पूर्व सांसद चौधरी जंगबीर सिंह का जनसेवा का जज्बा हमेशा प्रेरणा देता रहेगा : सांसद बौद्ध

हरिभूमि न्यूज ⏭तोशाम

राज्यसभा सांसद कर्मवीर बौद्ध ने शनिवार को तोशाम स्थित चौधरी रघुबीर सिंह फार्म हाउस पहुंचकर भूतपूर्व सांसद चौधरी जंगबीर सिंह के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया और उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। सांसद कर्मवीर बौद्ध ने कहा कि चौधरी जंगबीर सिंह दूरदर्शी नेता एवं समाजसेवी थे, जिन्होंने अपने राजनीतिक जीवन में क्षेत्र के विकास एवं जनसेवा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। उनका योगदान सदैव याद रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि स्वर्गीय चौधरी जंगबीर सिंह का व्यक्तित्व सरल, मिलनसार एवं जनहित के प्रति समर्पित था, जिससे वे हरवर्ग के बीच अत्यंत लोकप्रिय रहे। सांसद बौद्ध ने शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त करते हुए ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति एवं परिजनों को कठिन समय में धैर्य प्रदान करने की प्रार्थना की।

तोशाम। भूतपूर्व सांसद चौधरी जंगबीर सिंह को नमन करते राज्यसभा सांसद कर्मबीर बौद्ध। *फोटो : हरिभूमि*

सांसद बौद्ध ने विभिन्न गांवों का किया दौरा

- सांसद कर्मबीर ने महापुरुषों को किया नमन, सामाजिक एकजुटता का दिया संदेश

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

राज्यसभा सांसद कर्मवीर बौद्ध तोशाम हलके के तूफानी दौरे पर रहे, जहां उन्होंने विभिन्न गांवों में आयोजित धार्मिक, सामाजिक एवं राजनीतिक कार्यक्रमों में शिरकत की। सांसद बौद्ध ने महापुरुषों की प्रतिमाओं पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया, वहीं ग्रामीणों के बीच बैठकर उनकी जनसमस्याएं भी सुनीं। दौरे की शुरुआत में सांसद कर्मवीर बौद्ध दुल्हेडी गांव पहुंचे, जहां उन्होंने बुद्ध पूर्णिमा पर आयोजित कार्यक्रम में भाग लिया और डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा स्थापित की। उन्होंने राजकीय प्राथमिक विद्यालय में बाबा साहेब की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। सांसद ने कहा कि बाबा साहेब अंबेडकर और महात्मा बुद्ध के विचार आज भी प्रासंगिक हैं। समाज में समानता और शिक्षा का प्रसार ही हमारा असली लक्ष्य होना चाहिए। सांसद ने किरावड़ गांव का दौरा कर अपनी बुआ के घर पारिवारिक मिलन कार्यक्रम में शिरकत की। इसके बाद वे किरावड़ और तोशाम की वाल्मीकि चौपालों में आयोजित सामूहिक कार्यक्रमों में शामिल हुए। बाल्मीकि मंदिरों में पुष्प अर्पित करते हुए उन्होंने समाज में भाईचारे और समरसता की अपील की। सांसद का काफिला खरकड़ी सोहान पहुंचा, जहां ग्रामीणों ने उनका भव्य स्वागत किया। इस मौके पर ग्रामीण जिला उपाध्यक्ष रेणूबाला ने कहा कि जब तक हम अपने महापुरुषों के दिखाए मार्ग पर नहीं चलेंगे, तब तक समाज का सर्वांगीण विकास संभव नहीं है।

भिवानी। सांसद कर्मबीर बौद्ध का स्वागत करते। *फोटो : हरिभूमि*

ये रहे उपस्थित

इस अवसर पर सुशील बाल्मीकि, डॉ. सीताराम सिंघल, आरसी चौहान, कमल सिंह प्रधान, अशोक मलिक, संजय नाफरिया, रमेश नाफरिया, हरीश, तारा सरपंच, मानविंदर बागनवाला, सूबे किरावड़, डॉ. प्रीतम, सूबे बाल्मीकि, मंगल नाफरिया व मुकेश धानिया आदि मौजूद रहे।

बवानीखेड़ा। बीपीआर इंटरनेशनल विद्यालय की नेहा को सम्मानित करते अतिथि।

बीपीआर स्कूल की नेहा ने दसवीं में हासिल किए 95 प्रतिशत अंक

बवानीखेड़ा। बवानीखेड़ा के बीपीआर इंटरनेशनल विद्यालय की छात्रा नेहा ने सीबीएसई बोर्ड की 10वीं कक्षा में 95 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय एवं क्षेत्र का नाम रोशन किया है। इस उपलब्धि पर समाजसेवी एवं विद्यालय संचालक उमेश भारद्वाज ने नेहा को प्रोत्साहन स्वरूप साइकिल भेंट कर सम्मानित किया। विद्यालय के अन्य मेधावी विद्यार्थियों को भी प्रोत्साहित करते हुए उन्हें अयोध्या के लिए हवाई यात्रा (एयरप्लेन टिकट) एवं वॉटर पार्क भ्रमण का विशेष अवसर प्रदान किया, जिससे विद्यार्थियों में आगे बढ़ाने की प्रेरणा और उत्साह का संचार हो। विद्यालय संचालक उमेश भारद्वाज ने बताया कि उनके विद्यालय के विद्यार्थी शिक्षकों द्वारा दी शिक्षा को अमल में लाते हुए हर वर्ष नया आयाम स्थापित करते हैं। वे बच्चों को प्रलोभन नहीं प्रेरित करते हैं ताकि बच्चों में पढ़ने की भावना पैदा हो। उन्होंने कहा कि वे भविष्य में ऐसे विद्यार्थियों को और अधिक पुरस्कृत करने का कार्य करेंगे। इस अवसर विद्यालय स्टाफ सहित विद्यार्थीगण मौजूद रहे।

कोई भी कार्य छोटा या बड़ा नहीं, आत्मविश्वास निष्ठा एवं ईमानदारी का होना जरूरी : राजबीर

- सरस्वती विद्या विहार आसलवास दूबिया में लेबर डे पर चतुर्थ श्रेणी कर्मियों को किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

आसलवास दूबिया स्थित सरस्वती विद्या विहार सीनियर सेकेंडरी स्कूल में बड़े ही सम्मान एवं उत्साह के साथ लेबर डे मनाया। इस अवसर पर विद्यालय के सभी कर्मचारियों को आमंत्रित कर उनके समर्पण एवं मेहनत को नमन किया। कार्यक्रम की शुरुआत कर्मचारियों के आत्मीय स्वागत से हुई, जहां उन्हें फूल-मालाएं पहनाकर सम्मानित किया। विद्यार्थियों ने प्रस्तुत मनमोहक नृत्य एवं गीतों से पूरे वातावरण को उल्लास एवं आनंद से भर दिया। इसके पश्चात सभी कर्मचारियों को मिठाई वितरित कर उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त की। कार्यक्रम के माध्यम से सभी को प्रेरणादायक संदेश दिया कि कोई भी कार्य छोटा या बड़ा नहीं होता, बल्कि उसे करने के लिए आत्मविश्वास, हिम्मत एवं ईमानदारी का होना आवश्यक है। इन गुणों के साथ हम किसी भी लक्ष्य को प्राप्त कर सकते हैं। विद्यालय के चेयरमैन राजबीर सिंह ने अपने प्रेरणादायक शब्दों में कहा कि हमारे चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी हमारे संस्थान की मजबूत नींव हैं, उनका समर्पण ही विद्यालय की प्रगति का आधार है। विद्यालय के डायरेक्टर अभिषेक कालीरमण ने कहा कि लेबर डे हमें सिखाता है कि हर कार्य एवं कार्यकर्ता का सम्मान होना चाहिए, ये हमारे सच्चे सहयोगी हैं। प्रधानाचार्या तेजल सोनी ने कहा कि ये दिवस हमें श्रम के प्रति सम्मान एवं कृतज्ञता का भाव जागृत करने का संदेश देता है।

भिवानी। सम्मानित किए चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी। *फोटो : हरिभूमि*

आदर्श विद्यालय में अंग्रेज़ी लेखन प्रतियोगिता में जानवी प्रथम व पीहू ने पाया द्वितीय स्थान

चरखी दादरी। बौंदकलां स्थित आदर्श सीनियर सेकेंडरी स्कूल में अंग्रेजी लेखन प्रतियोगिता बड़े उत्साह और उमंग के साथ आयोजित की गई। प्रतियोगिता में कक्षा 1 से 5 तक के विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और अपनी रचनात्मकता व लेखन कौशल का बेहतरीन प्रदर्शन किया। विद्यालय का वातावरण पूरे समय उत्साह और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना से भरा रहा। प्रतियोगिता के परिणाम मे कक्षा 1 की जानवी प्रथम, पीहू द्वितीय, हिमांशी तृतीय। कक्षा दो की रोमिका प्रथम, दृष्टि द्वितीय, मानवी तृतीय। कक्षा 3 से भाविका प्रथम, चावी द्वितीय, परी तृतीय।कक्षा 4 से यश चाहल प्रथम, दिव्या द्वितीय, माही तृतीय।कक्षा 5 से लक्ष्य प्रथम, सौम्या द्वितीय, माहिर तृतीय। डायरेक्टर प्रताप सिंह यादव ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि ऐसी प्रतियोगिताएं बच्चों के आत्मविश्वास को बढ़ाती हैं। प्रधानाचार्य कृष्ण दत्त ने कहा कि लेखन प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों की सोच और अभिव्यक्ति को सशक्त बनाती हैं तथा भाषा पर पकड़ मजबूत करती हैं।

मौलिक अधिकारों पर किया जागरूक

- अंतरराष्ट्रीय श्रमिक दिवस पर नई अनाज मंडी के किसान भवन में हुआ कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ⏭चरखी दादरी

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के चेयरमैन एवं जिला एवं सत्र न्यायाधीश माननीय डॉ गगनदीप कौर सिंह के दिशा निर्देश अनुसार एवं मुख्य दंडाधिकारी सी जे एम संजीव काजल के मार्गदर्शन में अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस पर मजदूरों को उनके मौलिक अधिकारों की जानकारी प्रदान की गई। नई अनाज मंडी में किसान भवन के सभागार में अनाज मंडी के प्रधान मोहनलाल मकडानिया की अध्यक्षता में अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस मनाया गया। इस अवसर पर समाज कल्याण विभाग के अधिकारी के इलावा मार्केट कमेटी के अधिकारी कर्मचारी एवं जिला लेबर विभाग से इंस्पेक्टर प्रदीप कुमार एवं उनकी टीम के कर्मचारियों अधिकारियों का भी सम्मान किया गया।

चरखी दादरी। मजदूरों को जानकारी देते हुए। *फोटो : हरिभूमि*

मजदूर दिवस कर्मचारियों को समर्पित

तत्पश्चात उपस्थित श्रमिकों को उनके मौलिक अधिकारों की जानकारी सोमवीर सांगवान पैनल अधिवक्ता द्वारा दी गई। यह दिन राष्ट्र के नवनिर्माण, आर्थिक प्रगति और औद्योगिक विकास की नींव रखने वाले मेहनतकश श्रमिकों, कामगारों और कर्मचारियों के योगदान को समर्पित है। लेबर विभाग के इंस्पेक्टर प्रदीप कुमार ने बताया कि १९वीं सदी के अंत में श्रमिकों द्वारा किए गए ऐतिहासिक संघर्षों को याद करता है।

विद्यार्थियों ने आकर्षक हस्तलिपि व रचनात्मक सोच को किया प्रदर्शित

कक्षा पहली से अपूर्वा, दूसरी से भूमि, तीसरी से अपूर्वा व चौथी से सेजल रही अव्वल

बीआर शिक्षण संस्था में इंग्लिश कैलीग्राफी स्पर्धा में तमन्ना प्रथम

हरिभूमि न्यूज ⏭चरखी दादरी

बीआर शिक्षण संस्था में विद्यार्थियों की रचनात्मक क्षमता, भाषा कौशल एवं सुंदर हस्तलेखन कला को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से इंग्लिश कैलीग्राफी प्रतियोगिता का भव्य एवं प्रेरणादायक आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कक्षा पहली से 12वीं तक के विद्यार्थियों ने अत्यंत उत्साह एवं उमंग के साथ भाग लिया तथा अपनी आकर्षक हस्तलिपि, कलात्मक प्रस्तुति और रचनात्मक सोच से सभी को प्रभावित किया। प्रतियोगिता का आयोजन विद्यालय के शैक्षणिक वातावरण को और अधिक सशक्त बनाने तथा विद्यार्थियों में लेखन के प्रति रुचि विकसित करने के उद्देश्य से किया गया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने अनुशासन, धैर्य एवं एकाग्रता के साथ सुंदर अंग्रेज़ी लेखन प्रस्तुत किया। कई विद्यार्थियों ने अपनी रचनात्मक सजावट, अक्षरों की स्पष्टता और संतुलित लेखन शैली से निर्णायक मंडल का विशेष ध्यान आकर्षित किया।

चरखी दादरी। इंग्लिश कैलीग्राफी प्रतियोगिता में भाग लेते विद्यार्थी। *फोटो : हरिभूमि*

सुंदर लेखन के महत्व पर कराया अवगत

शिक्षकों ने विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करते हुए उन्हें सुंदर लेखन के महत्व से अवगत कराया। कार्यक्रम ने विद्यार्थियों को न केवल अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान किया, बल्कि उनमें सकारात्मक प्रतिस्पर्धा की भावना भी विकसित की। निर्णायक मंडल द्वारा लेखन की स्पष्टता, प्रस्तुति, रचनात्मकता के आधार पर प्रतिभागियों का मूल्यांकन किया। प्रतियोगिता में कक्षा पहली से अपूर्वा, कक्षा दूसरी से भूमि, कक्षा तीसरी से अपूर्वा, कक्षा चौथी से सेजल, कक्षा पांचवी से जतिन, कक्षा छठी से रावी, कक्षा सातवीं से रितिक यादव, कक्षा आठवीं से रितिका यादव, कक्षा नौवीं से इशिका शर्मा, कक्षा दसवीं से स्वाति, कक्षा ग्यारहवीं से सिमरन तथा कक्षा बारहवीं से तमन्ना को श्रेष्ठ हस्तलेखन के लिए विजेता घोषित किया गया।

नपा कर्मचारी संघ ने सफाई छोड़ किया प्रदर्शन, शहर में लगे गंदगी के ढेर

नगर पालिका कर्मचारी संघ ने हड़ताल पांच तक बढ़ाई

सफाईकर्मियों का न्यूनतम वेतन 30 हजार रुपये करने की मांग

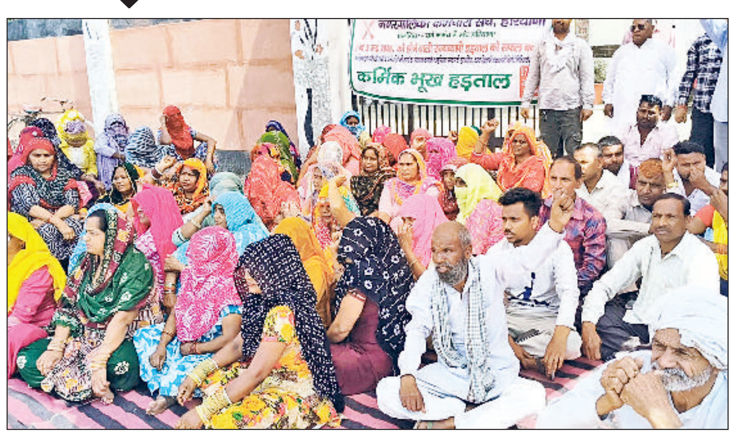

हरिभूमि न्यूज ▸▸ भिवानी

नगर पालिका कर्मचारी संघ के बैनर तले संघ के प्रदेश सचिव पुरुषोत्तम दानव के नेतृत्व में कर्मचारियों की हड़ताल शनिवार को दूसरे दिन भी जारी रही। सरकार व जिला प्रशासन द्वारा कर्मियों की लंबित मांगें नहीं माने जाने पर कर्मचारी संघ ने हड़ताल को पांच मई तक बढ़ा दिया और जल्द मांगों पर विचार नहीं करने पर अनिश्चितकालीन में तब्दील करने की भी चेतावनी दी।

इस दौरान नगर परिषद कार्यालय के बाहर धरने पर बैठे कर्मचारियों ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। कर्मियों ने शहर की सफाई व्यवस्था को पूर्णरूप से ठप रखा और हड़ताल जारी रखी। दूसरी ओर शहर में सफाई नहीं होने के कारण जगह जगह कूड़े के ढेर लगे रहे। वहीं कर्मियों ने सरकार को चेतावनी दी कि समय रहते नई नियमित भर्तियां नहीं की तो आंदोलन को और अधिक उग्र रुप दिया जाएगा।

शिक्षा बोर्ड कर्मचारी यूनियन के प्रेस सचिव सचिव जोगिंद्र पिलानिया ने कहा कि सफाई कर्मचारी शहर की गलियों, सड़कों व कॉलोनियों को स्वच्छ रखते हैं और जहां स्वच्छता होती है, वहीं ईश्वर का वास होता है और सरकार इन स्वच्छता दूतों की जायज मांगों को अनदेखा कर रही है। हड़ताल की अध्यक्षता संघ के इकाई प्रधान जयहिंद ने की, जबकि संचालन रमेश कुमार ने किया। सर्व कर्मचारी संघ के जिला सचिव धर्मवीर सिंह भाटी ने कहा कि 1997 के बाद से नगर पालिकाओं में डी-ग्रुप की कोई नियमित भर्ती नहीं हुई है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने अन्य विभागों से रिक्त पदों का डेटा मांगा है, लेकिन नगर परिषद एवं नगर पालिकाओं को हर बार दरकिनार किया जाता हैं। सकसं राज्य सचिव अशोक ने कहा कि शिक्षा बोर्ड कर्मचारी संघ और सर्व कर्मचारी संघ पूरी तरह से आंदोलनरत नप कर्मियों के साथ हैं।

इन्होंने किया संबोधित

हड़ताल को मालती, बाला, भतेरी, मनीषा, ज्योति, राज, कांता, भारत, शेरसिंह, पुरुषोत्तम, अमित व सुखवीर ने संबोधित किया।

हड़ताल बढ़ने से बेपटरी होगी सफाई व्यवस्थाः दानव

नगर पालिका कर्मचारी संघ के प्रदेश सचिव पुरूषोत्तम दानव ने कहा कि सरकार व प्रशासन द्वारा उनकी मांगों पर कोई विचार नहीं करने के चलते कर्मचारी संघ ने हड़ताल को पांच मई तक बढ़ा दिया हैं और फिर भी सरकार व प्रशासन नहीं जागा तो हड़ताल अनिश्चितकाल में तब्दील होगी। हड़ताल बढ़ने से शहर में सफाई व्यवस्था बिगड़ेगी, जिसकी जिम्मेदारी सरकार व प्रशासन की होगी। उनकी मांगों में सफाई कर्मचारियों का न्यूनतम वेतन 30 हजार रुपये करने, बढ़ती जनसंख्या एवं शहरों के विस्तार अनुसार नए पदों का सृजन कर पक्की भर्ती करने, कर्मचारियों को कार्य के दौरान तमाम आवश्यक सुरक्षा उपकरण मुहैया करवाने की मांग उठाई। हड़ताल को न केवल सफाई कर्मचारियों बल्कि अन्य संगठनों का भरपूर समर्थन मिल रहा है।

हड़ताल को अनिश्चितकाल में तब्दील करने की चेतावनी

नगर परिषद कर्मचारियों की दो दिवसीय हड़ताल के चलते शहर में सफाई कार्य पूर्णरूपसे ठप रहा। शहर में जगह जगह गंदगी के ढेर देखे गए। वहीं सरकार द्वारा मांगें नहीं माने जाने के विरोध में नगर पालिका कर्मचारी संघ ने हड़ताल को पांच मई तक बढ़ा दिया और जल्द मांगों पर विचार नहीं किया तो हड़ताल को अनिश्चितकाल में तब्दील करने की चेतावनी दी, ऐसे में दो दिन से शहर में सफाई व्यवस्था बेपटरी हैं और पांच मई तक हड़ताल बढ़ने पर शहर की सफाई व्यवस्था बुरी तरह से बिगड़ जाएगी और शहर में हर तरफ गंदगी के ढेर ही ढेर नजर आएंगे।

गांव कारी के नीरज बने पंजाब एंड हरियाणा बार काउंसिल के सदस्य

हरिभूमि न्यूज ▸▸ बाढ़ड़ा

बार काउंसिल ऑफ पंजाब एंड हरियाणा के चुनाव में जिला चरखी दादरी के गांव कारी निवासी अधिवक्ता नीरज श्योराण ने शानदार प्रदर्शन कर भारी बहुमत से जीत दर्ज की है। उनकी ऐतिहासिक जीत के साथ ही वे दादरी जिले के पहले ऐसे अधिवक्ता बन गए हैं, जिन्होंने प्रतिष्ठित पद पर विजय हासिल की है। नीरज हरियाणा सरकार के हाईकोर्ट में सीनियर उप महाअधिवक्ता हैं। नीरज की जीत से जिले के अधिवक्ताओं और क्षेत्र में खुशी की लहर है।

बार काउंसिल को वकीलों के हितों और उनके कल्याण के लिए देश की महत्वपूर्ण संस्था माना जाता है, जिसमें चुने जाना बड़ी उपलब्धि है। नीरज का परिवार भी सामाजिक और न्यायिक क्षेत्र से जुड़ा रहा है, उनके पिता शैलेन्द्र श्योराण जिला बार एसोसिएशन में अहम पदों पर रह चुके हैं, जिससे उन्हें शुरू से ही कानूनी क्षेत्र का अनुभव और मार्गदर्शन मिला। उनकी माता राजबाला श्योराण जिला पार्षद रह चुकी हैं। नीरज ने सभी अधिवक्ताओं और समर्थकों का आभार जताते हुए कहा कि वे वकीलों के हितों की रक्षा, उनके कल्याण और न्याय व्यवस्था को मजबूत करने के लिए पूरी ईमानदारी से कार्य करेंगे, उनकी जीत में चरखी दादरी, भिवानी, झज्झर एवं रोहतक के अधिवक्ताओं का सराहनीय योगदान रहा, जिसे वे हमेशा याद रखेंगे।

इस उपलब्धि पर दादरी विधायक सुनील सतपाल सांगवान, पूर्व विधायक सुखविंद्र मांढी, पूर्व विधायक सोमवीर सिंह, एसडीएम मनोज दलाल, बैंक चेयरमैन सुधीर चांदवास, जजपा किसान सैल प्रदेशाध्यक्ष नरेश द्वारका, भाजपा जिलाध्यक्ष सुनील हड़ौदी, पंचायत समिति चेयरमैन आनंद फौजी, भिवानी बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष एडवोकेट देवेन्द्र श्योराण, श्योराण खाप पच्चीस अध्यक्ष बिजेन्द्र बेरला, एडवोकेट संजीव श्योराण, अशोक श्योराण काकड़ौली, पूर्व चेयरमैन भल्लेराम, मंगल गोपी, ठेकेदार जयबीर काकड़ौली आदि ने उन्हें बधाई दी।

घर में घुसकर 30 हजार रुपये और आभूषण चुराए

तोशाम। तोशाम क्षेत्र में चोरी की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। ताजा मामले में गांव बजीना निवासी व्यक्ति के घर में अज्ञात चोरों ने रात के समय घुसकर नकदी व चांदी के आभूषण चोरी कर लिए। पीड़ित रामनिवास ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह 30 अप्रैल की रात को अपने परिवार के साथ घर में सोया हुआ था और एक मई की सुबह जब वह उठा तो घर में रखे संदूक का ताला टूटा हुआ मिला और सामान बिखरा पड़ा था। जांच करने पर पता चला कि चोर संदूक का ताला तोड़कर करीब 30 हजार रुपये नकद, चांदी की पाजेब व चांदी के सिक्के चोरी करके ले गए। पीड़ित ने मामले की सूचना थाना तोशाम पुलिस को दी। पुलिस ने शिकायत के आधार पर अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

प्रेमनगर में लड़कियों की हैंडबॉल नर्सरी के लिए ट्रायल कल , 25 का होगा चयन

भिवानी। हरियाणा सरकार के खेल विभाग द्वारा ग्रामीण अंचल की खेल प्रतिभाओं को तराशने एवं बेटियों को खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए उचित मंच प्रदान करने के उद्देश्य से गांव प्रेमनगर में विशेष पहल की जा रही है। सोमवार 4 मई को शाम 4 बजे से प्रेमनगर के हैंडबॉल ग्राउंड में लड़कियों की हैंडबॉल नर्सरी के लिए चयन प्रक्रिया ट्रायल का आयोजन किया जाएगा। हैंडबॉल कोच मनजीत वसरपंच राजेश बूरा ने बताया कि नर्सरी में कुल 25 लड़कियों का चयन किया जाएगा। ट्रायल के लिए आयु सीमा 8 से 19 वर्ष निर्धारित की गई है। नर्सरी का मुख्य उद्देश्य छोटी उम्र से ही लड़कियों को हैंडबॉल खेल की बारीकियां सिखाना और उन्हें राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं के लिए तैयार करना है। ट्रायल में चयनित बेटियों को 1500 व दो हजार का भत्ता प्रतिमाह दिया जाएगा। सरपंच राजेश बूरा ने कहा कि हमारी बेटियां हर क्षेत्र में नाम रोशन कर रही हैं। गांव प्रेमनगर में हैंडबॉल नर्सरी की सुविधा मिलने से आसपास की प्रतिभावान लड़कियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा। हम चाहते हैं कि यहां की बेटियां खेल के दम पर सरकारी नौकरियों और पदक तालिकाओं में अपना स्थान पक्का करें। चयनित 25 खिलाडिय़ों को आधुनिक प्रशिक्षण दिया जाएगा, ताकि वे भविष्य में हैंडबॉल की दुनिया में भिवानी और हरियाणा का नाम चमका सकें।

लोहारू क्षेत्र की गोशालाओं के लिए चेक वितरण कार्यक्रम आज

बहल। रविवार तीन मई को लोहारू क्षेत्र की गोशालाओं को सरकार द्वारा दी जाने वाली राशि के चेक वितरण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में महेंद्रगढ़ के विधायक कंवरसिंह यादव व पूर्वमंत्री जेपी दलाल गोशाला संचालकों को चेक वितरित करेंगे। उक्त जानकारी देते हुए भाजपा मंडल पदाधिकारी हनुमान शर्मा पाजू ने बताया कि कार्यक्रम तीन मई रविवार दोपहर बाद बहल कस्बे में झुंपा रोड स्थित रिसॉर्ट में होगा। कार्यक्रम में मुख्यातिथि लोहारू रोड की विभिन्न गोशालाओं को सरकार द्वारा दी जाने वाली चारा सहायतार्थ राशि के चेक भेंट करेंगे। इसके अलावा महेंद्रगढ़ के विधायक कंवर सिंह यादव व पूर्वमंत्री दलाल भाजपा कार्यकर्ताओं की बैठक लेकर उन्हें संगठन की मजबूती के लिए दिशा निर्देश देंगे।

नशा तस्करी के मामले में पकड़े जाने पर संपत्ति हो अटैचः डीसी

हरिभूमि न्यूज ▸▸ चरखी दादरी

उपायुक्त ने एसपी के साथ नाकार्ड कमेटी से जुड़े अधिकारियों की बैठक ली

उपयुक्त डॉ. मुनीश नागपाल ने कहा कि न्यायालय के निर्देशों के अनुसार नशा तस्करी के मामले में पकड़े जाने वाले लोगों की संपत्ति को अटैच करने की कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

साथ ही जिला में नशे के खिलाफ जन जागरूकता अभियान भी चलाया जाए। ताकि इस कुरीति से लोगों को बचाया जा सके। उपायुक्त शनिवार को पुलिस अधीक्षक लोगेश कुमार पी के साथ नाकार्ड कमेटी से जुड़े अधिकारियों की बैठक ले रहे थे। नशा तस्करी के मामले में दोषी लोगों पर सख्त कार्रवाई करके ही काबू पाया जा सकता है। ऐसे में न्यायालय द्वारा नशा तस्करों की संपत्ति को अटैच करने की कार्रवाई पर जोर देना होगा। साथ जिला में विभिन्न माध्यमों से लोगों को नशे के प्रति जागरूक करने की भी जरूरत है।

उन्होंने कहा कि स्वस्थ समाज ही देश की प्रगति का आधार होता है । जिला प्रशासन का दायित्व बनता है कि समाज की मुख्यधारा से भटक कर नशा के एडिक्ट हुए युवाओं को फिर से समाज की मुख्यधारा में शामिल करें।

राज्य एथलेटिक्स में साक्षी ने जीता गोल्ड मेडल

महंत बाबा पूर्णनाथ ने खिलाड़ियों को स्टेडियम में पहुंचने पर आशीर्वाद दिया

हरिभूमि न्यूज ▸▸ तोशाम

भिवानी। पदक विजेता साक्षी को सम्मानित करते अतिथि। फोटो : हरिभूमि

नरवाना के नवदीप स्टेडियम में हुई आठवीं हरियाणा राज्य सीनियर एथलेटिक्स प्रतियोगिता में बाबा भैरूनाथ स्पोर्टस अकेडमी चौधरी खेमचंद स्टेडियम बुशान की एथलीट एवं गांव आलमपुर की बेटी साक्षी फौगाट ने हेप्टाथलॉन इवेंट में स्वर्ण पदक जीता। खिलाड़ी साक्षी फौगाट हरियाणा राज्य जुनियर एथलेटिक प्रतियोगिता में पहले भी अनेक पदक जीत चुकी है तथा सीनियर लेवल पर उनका पहला स्वर्ण पदक है।

इससे पहले उन्होंने 4 व 5 अप्रैल को करनाल में हुई हरियाणा जुनियर एथलेटिक प्रतियोगिता के 20 आयुवर्ग में हेप्टाथलॉन में रजत पदक जीता था। प्रतियोगिता में सीमा बुशान व भुमिका बुशान ने 100 मीटर हर्डल व त्रिकुद में रजत व कांस्य पदक जीते। चौधरी खेमचंद स्टेडियम के इंचार्ज पूर्व डीएसओ जयसिंह कालीरामण ने बताया कि साल की शुरूआत में सभी बच्चों की अच्छी शुरूआत है और आगे भी एथलीटों से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद है। महंत बाबा पूर्णनाथ ने सभी विजेता खिलाड़ियों को स्टेडियम में पहुंचने पर आशीर्वाद दिया। सभी खिलाड़ियों का धर्मसिंह, दुलीचंद, पवन आदि खेलप्रेमियों ने हौंसला बढ़ाया।

विद्यार्थियों ने बुद्ध के जीवन और शिक्षाओं पर आधारित कविता, कहानी व नाटक किए प्रस्तुत

हरिभूमि न्यूज ▸▸ बवानीखेड़ा

आनंद स्कूल फॉर एक्सीलेंस में बुद्ध पूर्णिमा और विश्व मजदूर दिवस मनाया

आनंद स्कूल फॉर एक्सीलेंस मिलकपुर में बुद्ध पूर्णिमा एवं विश्व मजदूर दिवस का संयुक्त रूप से आयोजन किया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के चेयरमैन आनंद यादव ने सरस्वती पूजन एवं द्वीप प्रज्वलन के साथ किया। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न कक्षाओं के विद्यार्थियों ने महात्मा बुद्ध के जीवन और शिक्षाओं पर आधारित कविता, कहानी एवं नाटक प्रस्तुत किए। साथ ही विश्व मजदूर दिवस के महत्व को भी बच्चों ने अपनी प्रस्तुतियों के माध्यम से प्रभावशाली ढंग से दर्शाया।

प्रिंसिपल नीतीश मिश्र ने महात्मा बुद्ध के जीवन से जुड़े महत्वपूर्ण पहलुओं पर प्रकाश डालते हुए बच्चों को उनके आदर्शों पर चलने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि मेहनत एवं ईमानदारी ही सफलता की कुंजी है। उन्होंने विद्यालय में कार्यरत कर्मचारियों की सराहना करते हुए स्कूल के सभी ड्राइवर, कंडक्टर, हेल्पर आदि को हीरो ऑफ द डे की संज्ञा दी और उनके योगदान को अत्यंत महत्वपूर्ण बताया। आठवीं हरियाणा स्टेट सीनियर एथलेटिक चैंपियनशिप की हैमर थ्रो में तृतीय स्थान प्राप्त कर कांस्य पदक जीतने वाली छात्रा मीनाक्षी को चेयरमैन आनंद यादव ने सम्मानित किया।

गांव ढाणा लाडनपुर में बुद्ध पूर्णिमा पर दिया शांति एवं सद्भाव का संदेश

बुद्ध के बताए मार्ग आज भी सबसे अधिक प्रासंगिक

हरिभूमि न्यूज ▸▸ भिवानी

गांव ढाणा लाडनपुर स्थित कुटागारशाला बुद्ध विहार एवं सप्तपर्णी पुस्तकालय में बुद्ध पूर्णिमा महोत्सव श्रद्धा एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया। बुद्धिस्ट सोसाइटी ऑफ इंडिया और समस्त ग्रामवासियों के आपसी सहयोग से आयोजित कार्यक्रम ने सामाजिक एकता एवं भाईचारे की नई मिसाल पेश की। महोत्सव के दौरान गौतम बुद्ध के जीवन और उनके धम्म पर विस्तृत चर्चा की। वक्ताओं ने जोर दिया कि आज के भागदौड़ भरे जीवन में बुद्ध के बताए मार्ग करुणा, प्रज्ञा और शील की सबसे अधिक प्रासंगिकता है।

कार्यक्रम में मौजूद बुद्धिजीवियों ने समाज में फैली कुरीतियों और नशे की बढ़ती लत पर चिंता व्यक्त की। संकल्प लिया कि बुद्ध की शिक्षाओं को घर-घर पहुंचाकर युवाओं को नशे से दूर किया जाएगा और एक ऐसे स्वस्थ समाज का निर्माण किया जाएगा जो बुराइयों से मुक्त हो। मंच संचालन रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया के प्रदेश सचिव राजेश चौधरी ने किया और कहा कि आज के दौर में जब समाज वैचारिक मतभेदों से जूझ रहा है, तब बुद्ध का मध्यम मार्ग ही हमें सही रास्ता दिखा सकता है। कुटागारशाला बुद्ध विहार एवं सप्तपर्णी पुस्तकालय समिति के प्रधान प्रीतम बौद्ध ने कहा कि हमारा लक्ष्य ऐसा समाज बनाना है जहां नशाखोरी और अंधविश्वास की कोई जगह न हो। आपसी सहयोग से ही हम गांव और देश को प्रगति की राह पर ले जा सकते हैं।

पीड़ित परिवारों के आवास की व्यवस्था करें नगर पालिका व जिला प्रशासनः चौपड़ा

पार्क निर्माण में कच्चे व पक्के मकानों को बचाने के लिए तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ▸▸ बवानीखेड़ा

भिवानी। तहसीलदार को ज्ञापन सौंपती पूर्व पार्षद मीना चौपड़ा सिंधू व अन्य। फोटो : हरिभूमि

हांसी-भिवानी वार्ड संख्या सात स्थित स्मल बस्ती के अवैध निर्माण पर पार्क बनाए जाने के नाम पर पांच मई तक हटाने के निर्देश नगर पालिका बवानीखेड़ा की तरफ से दिये जा रहे हैं। किसी के घर पर बिलडोजर ना चले, इसको लेकर नगर पालिका की पूर्व पार्षद मीना चौपड़ा सिंधू पीड़ितों के साथ उपायुक्त से मिलने उनके आवास पर पहुंची और उनकी अनुपस्थित में उपायुक्त के नाम तहसीलदार जयबीर को ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन सौंपने के बाद पूर्व पार्षद मीना चौपड़ा सिंधू ने कहा कि निहायत ही गरीब, मजदूर व भूमिहीन परिवार पिछले 30-40 सालों से बवानीखेड़ा नगर पालिका की खाली पड़ी भूमि पर छोटे-2 कच्चे व पक्के मकान बनाकर रह रहे है, उनके पास रहने का ओर कोई मकान नहीं है। मीना ने कहा कि नगर पालिका उनकी भूमि पर बने कच्चे व पक्के मकानों को हटाकर पार्क बनाना चाहती है, लेकिन ये लोग विकास के खिलाफ नहीं है, लेकिन मकान को हटाने से ये परिवार बेघर हो जाएंगे। इन परिवार के छोटे-2 बच्चे, महिलाएं व बुजुर्ग सड़कों पर आ जाएंगे। उन्होंने प्रशासन व नपा से मांग की कि इनके मकान तोड़ने से पहले वैकल्पिक आवास या प्लॉट देने या प्रधानमंत्री आवास योजना, मुख्यमंत्री शहरी योजना में उन्हें शामिल किया जाए। इसके साथ ही उन्होंने प्रशासन व नपा से मांग की कि जब तक इनका पुर्नवास न हो, इनके मकानों को न तोड़ा जाए, इनकी यथास्थिति या पार्क का आकार छोटा करके मकान बचाने के नपा, प्रशासन व सरकार को आगे आना चाहिए। उन्होंने कहा समय रहते समाधान नहीं हुआ तो वे इनको इक्ट्ठा करके जनआंदोलन के लिए मजबूर होंगी। इस मौके पर हरियाणा जागृति मोर्चा अध्यक्ष एडवोकेट राजेश सिंधू, समाजसेविका बाला टेलर, प्रतीक्षा, रेखा, सुमन, पीड़ित परिवार सुमन, देवीलाल, बलराम, अमीर, बीरू, चांद व राजेश आदि उपस्थित रहे।

ट्रैक्टर की टक्कर से युवक की मौत, अज्ञात चालक के खिलाफ मामला दर्ज

तोशाम। क्षेत्र में सड़क हादसे में एक युवक की मौत होने का मामला सामने आया है। पुलिस ने अज्ञात ट्रैक्टर चालक के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में भिवानी के विद्या नगर निवासी संजय कुमार ने बताया कि उन्होंने निगाना खुर्द में क्रेशर जोन में अपना प्लांट लगा रखा है, उनके यहां नेपाल निवासी देव मोरिया (बहादुर) खाना बनाने का काम करता था।

शिकायतकर्ता संजय ने बताया कि एक मई को मैं भिवानी गया हुआ था, तभी उन्हें सूचना मिली कि बहादुर का एक्सीडेंट हो गया है। सूचना मिलते ही वह मौके पर पहुंचा तो पता चला कि बहादुर उनकी मोटरसाइकिल लेकर किसी काम से निकला था। रास्ते में किसी अज्ञात ट्रैक्टर चालक ने तेज गति व लापरवाही से वाहन चलाते हुए उसे टक्कर मार दी। हादसे के बाद घायल को किसी राहगीर ने उठाकर तोशाम के सरकारी अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। शिकायतकर्ता संजय ने अस्पताल पहुंचकर शव की पहचान की और परिजनों को सूचना दी।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, शॉप नं. 47, इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट मार्केट, भिवानी
फोन नं. : 8814999151, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।

हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5×8 सें.मी 10×8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2000/- रु. 2500/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
भिवानी : हरिभूमि, शॉप नं. 47, इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट मार्केट, भिवानी
फोन : 8814999170, दादरी : 9253681008

वर्ल्ड लाफ्टर-डे स्पेशल

आमतौर पर हंसने को सामान्य शारीरिक क्रिया माना जाता है। लेकिन दुनिया भर में हुए अनेक मेडिकल स्टडीज से यह साबित हुआ है कि हंसी, नेचुरल मेडिसिन की तरह होती है। हमारी मेंटल हेल्थ को बेहतर बनाने में हंसने की बहुत कारगर भूमिका होती है। हंसने के क्या फायदे होते हैं, इसे कैसे थेरेपी की तरह यूज कर सकते हैं, इस बारे में विस्तार से जानिए।

स्ट्रेस करे दूर-मेंटल हेल्थ को बनाए बेहतर हंसी

कवर स्टोरी
रजनी अरोड़ा

भारती पीएचडी के अंतिम वर्ष में थी। थीसिस सबमिशन की डेडलाइन नजदीक आने के कारण अत्यधिक तनाव, एंग्जाइटी और नींद न आने की समस्या का सामना कर रही थी। उसका मानसिक संतुलन बिगड़ रहा था, पढ़ाई पर फोकस नहीं कर पा रही थी। यहां तक कि उसकी दिनचर्या भी गड़बड़ा गई थी। पैरेंट्स ने उसकी स्थिति को देखते हुए मनोवैज्ञानिक से कंसल्ट किया। उसकी केस हिस्ट्री जानने और थेरेपेटिक इंटरवेंशन के बाद डॉक्टर ने उसे 'लाफ्टर रूल: 3-10-30' फॉलो करने की सलाह दी। शुरुआत में भारती को यह अभ्यास साधारण और प्रभावहीन लगा, लेकिन दो सप्ताह के भीतर उसने तनाव में कमी, मूड स्थिरता और कंसंट्रेशन में सुधार महसूस किया। यह परिवर्तन केवल संयोग नहीं, बल्कि मनोवैज्ञानिक सिद्धांतों पर आधारित माइक्रो-बिहेवियरल इंटरवेंशन का परिणाम था।

जीवन में बढ़ रहा है तनाव

आज की तेज रफ्तार भरी जिंदगी में बढ़ती अपेक्षाएं, प्रतिस्पर्धा, हाई प्रेशर जॉब्स, डिजिटल निर्भरता ने हम सभी के मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित किया है। व्यक्ति हंसना मानो भूलता जा रहा है। स्ट्रेस, एंग्जाइटी, डिप्रेशन, ओवर थिंकिंग, बर्नआउट जैसी मानसिक समस्याएं तेजी से उभर रही हैं और गंभीर वैश्विक चुनौती बनती जा रही हैं। डब्ल्यूएचओ के अनुसार विश्व स्तर पर लगभग हर 8 में से 1 व्यक्ति किसी न किसी मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्या से जूझ रहा है। भारत में भी लगभग 14 प्रतिशत जनसंख्या अपने जीवनकाल में मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं का अनुभव करती है।

हंसना है कारगर उपाय

एक शोध के अनुसार बच्चे दिन में औसतन 300-400 बार हंसते हैं, जबकि वयस्क केवल 8-10 बार। यानी बड़े होते-होते हम हंसी की यह अद्भुत प्राकृतिक शक्ति खो देते हैं। हालांकि व्यक्ति इन समस्याओं की गिरफ्त में न आने और मानसिक स्वास्थ्य को मजबूत बनाए रखना चाहता है, जिसके लिए कई तरह की साइकोलॉजिकल थेरेपी, मेडिटेशन एप्स, मेडिकेशन का भी सहारा लेता है। लेकिन प्रकृति-प्रदत्त उस सहज उपलब्ध और अनमोल उपहार को अकसर नजरअंदाज कर जाता है। वो उपहार है-हंसी या कुछ पल के लिए खुलकर हंसना। हास-परिहास को मानव की एक सहज भावना या स्वाभाविक प्रक्रिया है। खुशी किसी बड़ी उपलब्धि में नहीं, बल्कि रोजमर्रा के छोटे-छोटे पलों में छिपी होती है। अगर हम डेली रुटीन में पॉवरफुल टूल यानी हास्य को अपनाने की आदत डाल लें तो निश्चय ही तमाम तरह की मानसिक परेशानियों से आसानी से बचा जा सकता है।

फॉलो करें लाफ्टर रूल

जीवन को खुशहाल बनाने के लिए वैज्ञानिक भी 'लाफ्टर रूल: 3-10-30' फॉलो करने पर बल देते हैं। भले ही छोटा लगे, लेकिन इसका प्रभाव बहुत गहरा होता है। माइक्रो-बिहेवियरल इंटरवेंशन के माध्यम से यह रूल व्यक्ति को अपने मानसिक स्वास्थ्य को सुधारने में मदद करता है। इसमें तीन मुख्य घटक हैं- 3 यानी, दिन में कम से कम तीन बार दिल से मुस्कुराएं या खुलकर हंसें। किसी भी रूप में, कुछ मजेदार देखते या सुनते हुए। 10 यानी, अपने कार्य के दौरान दस मिनट का एक लाफ्टर ब्रेक लें। हास्यपूर्ण गतिविधियों में शामिल हों, जो हमें हंसने या मुस्कुराने का मौका दें। जैसे- कॉमेडी वीडियो देखना, मजेदार किताब पढ़ना, दोस्तों या परिवार के साथ हंसी-मजाक करना या बच्चों के साथ खेलना। 30 यानी, दिन में कई बार 30 सेकेंड के लिए हंसने या मुस्कुराने का प्रयास करें। छोटी-छोटी खुशियों को महसूस करना और उन पर मुस्कुराना भी इसमें शामिल है। जैसे- किसी सुंदर दृश्य को देखकर, किसी बच्चे की मासूम हरकत पर या किसी हल्के-फुल्के मजाक पर मुस्कुरा देना।

कैसे काम करती है हंसी

हंसी को नेचुरल एंटी-डिप्रेसेंट भी कहा जाता है। यह एक नेचुरल स्ट्रेस रिलीफ मैकेनिज्म के रूप में कार्य करती है। जब हम खुलकर हंसते हैं, तो हमारे शरीर में कई महत्वपूर्ण न्यूरोकेमिकल का स्राव बढ़ जाता है। एंडोर्फिन (प्राकृतिक दर्द निवारक, जो खुशी और संतुष्टि की भावना उत्पन्न करता है), डोपामाइन (मोटिवेशन और खुशी से जुड़ा न्यूरोट्रांसमीटर), सेरोटोनिन (मूड को संतुलित रखने वाला रसायन)। वहीं हंसी, कॉर्टिसोल (तनाव हार्मोन) के स्तर को घटाती है। ये केमिकल मूड को बेहतर बनाते हैं, शरीर की मांसपेशियों को आराम पहुंचाते हैं और तनाव को कम करते हैं।

हंसी के पीछे का मनोविज्ञान

मनोविज्ञान के सिद्धांतों के माध्यम से भी हंसी के प्रभाव को समझा जा सकता है। इस बारे में यहां विस्तार से बता रहे हैं।

इमोशनल रेग्युलेटर: मनोविज्ञान के अनुसार हंसी एक प्रभावी इमोशनल रेग्युलेटर है, जो तनाव और नकारात्मक भावनाओं को कम करने में मदद करती है। कठिन परिस्थितियों का सामना करने में मदद करती है।

बिहेवियरल एक्टिवेशन थ्योरी: इसके हिसाब से केवल भावनाएं ही व्यवहार को प्रभावित नहीं करतीं, बल्कि व्यवहार भी भावनाओं को बदल सकता है। यानी यदि व्यक्ति जान-बूझकर हंसता है, तो उसका मूड स्वतः बेहतर हो सकता है।

फेशियल फीडबैक हाइपोथीसिस: सिर्फ मुस्कुराने से भी खुशी का अनुभव हो सकता है। मुस्कुराने पर चेहरे की मसल्स अनायास ही ब्रेन को संकेत भेजती हैं, जिससे भावनाएं प्रभावित होती हैं और मूड में सुधार होता है।

मूड कॉन्ग्रुएंट बिहेवियर: यह एक मनोवैज्ञानिक पैटर्न है, जिसमें व्यक्ति अपने वर्तमान मूड के अनुरूप ही कंटेंट या गतिविधियों को चुनता है। जैसे- जब हम दुःखी होते हैं, तो हम दुःख भरे गाने, वीडियो या विचारों की ओर आकर्षित होते हैं। यह पैटर्न नकारात्मक भावनात्मक चक्र को बढ़ा सकता है। लेकिन यदि हम दुखी होने पर सचेत रूप से अपने व्यवहार में बदलाव लाएं या हंसने की कोशिश करें, तो इस नकारात्मक चक्र को तोड़ सकते हैं।

मेंटल बैलेंस को सुधारे हंसी

हंसी केवल खुशी का प्रतीक नहीं, बल्कि मानसिक संतुलन बनाए रखने की एक गहरी और वैज्ञानिक प्रक्रिया भी है। इससे कॉग्नीटिव फ्लेक्सिबिलिटी बढ़ती है। नर्वस सिस्टम पर सकारात्मक असर पड़ता है। जब हम हंसते हैं, तो हमारा ब्रेन अधिक सक्रिय और क्रिएटिव हो जाता है। समस्याओं को नए दृष्टिकोण से देख पाता है और आउट ऑफ द बॉक्स सोच विकसित होती है। कई बार कठिन समस्या का हल भी निकाल पाता है। बार-बार हंसने से दिमाग में नए न्यूरल पाथवे बनते हैं। इससे धीरे-धीरे नकारात्मक सोच की आदत कमजोर और सकारात्मक सोच मजबूत होती है। हंसने से भावनात्मक मजबूती बढ़ती है। मुश्किल परिस्थितियों में भी टिके रहने की शक्ति देती है। जो लोग कठिन समय में भी हल्का-फुल्का हास्य बनाए रखते हैं, वे तनाव और असफलताओं से जल्दी उबर जाते हैं। लगातार काम, जिम्मेदारियों और तनाव के कारण जो थकान या बर्नआउट होता है, उसमें हंसी एक रिचार्ज बटन की तरह काम करती है। दिमाग को रीसेट होने का मौका मिलता है। संक्रामक प्रवृति होने के कारण हंसी, सोशल एंग्जाइटी को कम करती है। यह शरीर में सकारात्मक जैविक बदलाव लाकर तनाव कम करती है, मांसपेशियों को आराम देती है, रक्त संचार को सुधारती है और प्रतिरक्षा तंत्र को मजबूत बनाती है। समग्र भावनात्मक स्वास्थ्य को बेहतर बनाकर व्यक्ति को दीर्घकालिक बीमारियों से लड़ने में सक्षम बनाती है। हंसने से शरीर में मेलाटोनिन हार्मोन का स्राव बढ़ता है, जो रात में सुकून की नींद दिलाने में सहायक है। *

(बहरीन स्थित ब्रिटिश यूनिवर्सिटी में साइकोलॉजी की प्रोफेसर डॉ. कोमल चावला से बातचीत पर आधारित)

बेहतरीन थेरेपेटिक टूल भी है लाफिंग

वर्तमान दौर में हास्य का इस्तेमाल थेरेपेटिक टूल या स्ट्रक्चर थेरेपी की तरह बड़े पैमाने पर किया जा रहा है। कई जगह लाफ्टर क्लब संचालित होते हैं, जिनमें मानसिक स्वास्थ्य, खासकर तनाव प्रबंधन के लिए लाफ्टर-थेरेपी या लाफ्टर-योगा कराया जाता है। इसमें कराई जाने वाली लाफिंग-एक्सरसाइज आर्टिफिशियल हंसी होती है, जिसमें व्यक्ति को बिना किसी कारण के जबरदस्ती हंसाया जाता है। शुरू में भले ही यह हंसी जबरन होती है, लेकिन चंद सेकेंड के बाद यह कुदरती रूप ले लेती है। ब्रेन का पैटर्न बनता है। ब्रेन, असली और बनावटी हंसी में अंतर नहीं कर पाता। आर्टिफिशियल हंसी को वास्तविक इमोशनल सिगनल मानता है और मानसिक परेशानियों को भुलाने में मदद करता है।

लाइफस्टाइल
सरस्वती रमेश

हैप्पी लाइफ के लिए जरूरी है हंसना

हंसने से हेल्थ अच्छी रहती है, सोशल रिलेशन स्ट्रॉन्ग बनते हैं, फील गुड होता है। इसलिए जब जहां मौका मिले खूब हंसिए, खिलखिलाइए, दूसरों को भी हंसाइए और अपनी लाइफ को हैप्पी बनाइए।

दुनिया के महानतम हास्य कलाकारों में से एक चार्ली चैपलिन ने कहा है कि हंसी के बिना बीत गया दिन बर्बाद किया गया दिन है। उनकी इस उक्ति में वास्तव में जीवन का गहनतम दर्शन छिपा हुआ है। क्योंकि हंसी से विहीन जीवन, नीरस और बोझिल होता है। हंसी जीवन को उल्लास से जीने की प्रेरणा है। इस प्रेरणा के सहारे जीवन के उतार-चढ़ाव, कमी-बेसी, जीत-हार भरे दिन धैर्य से बीत जाते हैं। उनसे मिले सबक से जीवन को अनुभवों से युक्त किया जाता है। यही अनुभव भविष्य में हमारे मार्गदर्शक बन जाते हैं और हमें अच्छे दिनों की रोशनी में ले जाते हैं। उस रोशनी में हम अपने प्रियजनों के साथ दिल खोलकर हंसते हैं। खुशियां मनाते हैं।

हंसी एक खजाना है: अमेरिकी दार्शनिक विलियम जेम्स का कहना है कि हम खुश होते हैं, इसलिए नहीं हंसते बल्कि हम हंसते हैं, इसलिए खुश होते हैं। मतलब साफ है कि जीवन का आनंद हमारी मुट्ठी में है। यदि हम खुश रहना चाहते हैं तो हमें हंसना-हंसाना सीखना होगा। जीवन में हंसी का खजाना बेशकीमती होता है। जिसके पास यह खजाना है, वह दुनिया का सबसे दौलतमंद इंसान है। वह बड़ी से बड़ी परेशानी का सामना हंसते हुए कर लेता है। जरा एक छोटे से बच्चे की हंसी को देखिए। उसकी हंसी कितनी निश्छल और उन्मुक्त होती है। बिल्कुल किसी राजा के शाही खजाने की तरह। ऐसी ही मुस्कान की जरूरत हमें उम्र के हर पड़ाव पर होती है। मगर जीवन की आपाधापी में उम्र बढ़ने के साथ अकसर हम हंसना भूल जाते हैं। हमें हंसी की महत्ता को स्वयं तो समझना ही होगा और दूसरों को भी समझाना होगा। हंसी को संक्रमण की तरह फैलाना होगा। धूप, हवा, पानी और प्रकृति की हजारों नेमतों की तरह हंसी भी मुफ्त का उपहार है। कुदरत ने हमें यह उपहार जीवन को सुंदर बनाने के लिए ही दिया है।

कई बीमारियों के उपचार में सहायक: हंसने के अनेक फायदे होते हैं। मनोचिकित्सकों और डॉक्टरों का कहना है कि हंसने से सिर्फ हमारा मूड अच्छा नहीं होता बल्कि हमारे संपूर्ण स्वास्थ्य पर भी इससे सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। हम मानसिक रूप से बेहतर महसूस करते हैं। आपको जानकर हैरानी होगी कि सिर्फ दस से पंद्रह मिनट हंसने से चालीस कैलोरी तक बर्न होती है। हमारा हार्ट अच्छे से काम करता है और ब्लड प्रेशर नियमित रहता है। कैंसर के मरीजों पर जब लाफ्टर थेरेपी का प्रयोग किया गया तो नतीजे चौंकाने वाले निकले। हंसने से उनका दर्द आधा रह गया था। आपको 'मुन्ना भाई एम. बी. बी. एस.' फिल्म तो याद ही होगी। फिल्म का मुख्य किरदार मुन्ना, मरीजों को हंसाकर और खुश करके ठीक करने की कोशिश करता है। यह महज कल्पना नहीं बल्कि इसमें कुछ सच्चाई भी है। ऐसा कई स्टडीज में पाया गया है कि जिन मरीजों को उपचार के साथ हंसी की खुराक भी मिलती है, वे जल्दी स्वस्थ होते हैं। यानी हंसी से दूर रहने वालों को शारीरिक और मानसिक दोनों तरह का नुकसान भुगतना पड़ सकता है।

सामाजिक रिश्ते बनाए मजबूत: हंसने से हमारे सामाजिक रिश्ते भी मजबूत बनते हैं। किसी के साथ हंसकर बात करने से हम भावनात्मक रूप से सुदृढ़ महसूस करते हैं। यही भावना साथ वाले व्यक्ति के प्रति आत्मीयता में इजाफा करती है और हमारे भरोसे को बढ़ाती है। जब हम अपने मित्रों, परिचितों और रिश्तेदारों के साथ रहते हैं, तब हंसी-मजाक की संभावना भी बढ़ जाती है और रिश्तों में प्रगाढ़ता भी। दरअसल, हंसने-हंसाने से ही हमारे संबंधों को खाद पानी और नई ऊर्जा मिलती है। हमारे परिवार के हर सदस्य को प्रतिदिन हंसी की छोटी-बड़ी खुराक देने की जरूरत पड़ती है।

बढ़ती है इम्यूनिटी पावर: दिल खोलकर हंसने से तनाव कम होता है। कई शोधों से यह भी पता चला है कि हंसने से हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता में भी इजाफा होता है, क्योंकि हंसने से शरीर में एंटीऑक्सीडेंट्स का उत्पादन बढ़ जाता है और यह इम्यून सेल्स को सक्रिय करता है। हमारे शरीर में यही सेल्स बीमारियों और संक्रमण से लड़ने में हमारी मदद करते हैं। इसलिए नियमित रूप से हंसने से इम्यून सिस्टम को बूस्ट मिलता है।

कह सकते हैं कि हंसी जीवन को खुशहाल बनाने का अचूक नुस्खा है। इसलिए मुफ्त में उपलब्ध इस कुदरती नियामत का भरपूर उपयोग करने में ही समझदारी है। *

नवगीत
डॉ. गुरु सरन लाल

मुश्किल बहुत बना डाला

कितना सरल है जीवन लेकिन
मुश्किल बहुत बना डाला।
अव्यवस्थित जीवनशैली
बातें भी हैं जाने कैसी
किसी का कोई लिहाज नहीं है
रिश्तों की तो ऐसी-तैसी
अक्ल पर लगा दिया ताला।
भौतिकता के पागलपन में
आपाधापी मची जीवन में
नियम कानून को ताक पे रखते
पानी सूख गए अंखियन में
नैतिकता को पड़ गया पाला।
कितना सरल है जीवन लेकिन
मुश्किल बहुत बना डाला।

व्यंग्य
राजा चौरसिया

जबरन हंसना पड़ेगा

समय बहुत ही परिवर्तनशील है। आज और कल में अर्थात अब और तब में धरती-आसमान जैसा विशाल अंतराल है। यह विकराल होकर भी अनिवार्य रूप से स्वीकार्य है। असली फूलों का विकल्प नकली फूल हैं। जिगर से ज्यादा फिगर तथा मुखड़े से ज्यादा मुखौटे के चलन के प्रतिफलन से ही कुशलता है। उसी के पास अपडेट फिटनेस का सर्टिफिकेट है, जो बयार के अनुसार ही चलता है। इस दिखाऊ युग की कभी जरा भी निंदा करना, जिस थाली में खाना उसी में छेद करना माना जाता है। मगर से बैर करने से खैर नहीं, अगर उसके ही पानी में रहना है। इस जगाने में स्वाभाविकता, सहजता और दुग्ध-धवलता के अकाल के दौर में जबरन के शिष्टाचार की लपेट या चपेट में आना प्रासंगिक है। अंदर से खुशी या हंसी न रहते हुए भी औपचारिकता के नाम पर जबरदस्ती की हंसी अत्यंतावश्यक हो गई है। बॉस पर क्यों न आपको गुस्सा बेहिसाब आ रहा हो, उसके हंसने पर आपको भी हंसना जरूरी ही नहीं मजबूरी भी हो जाती है। जब पारदर्शिता के बिना प्यारदर्शिता का जलवा है और सच की हालत हलवा है, तब स्वाभाविक हंसी के बारे में किंचित भी चिंतित नहीं होना चाहिए। जब रियल से भी बढ़कर आर्टिफिशियल हो जाए, तब जबरन हंसने की गुणवत्ता की ही महत्ता है।

अंदर से खुश न रहते हुए भी बाहर जबरन हंसना, गुड बीइंग से बढ़कर गुड लुकिंग बनाता है। स्किल से पहले स्किन का तथा कर्म सौंदर्य के पहले चर्म सौंदर्य की मान्यता है। आज आचरण से बढ़-चढ़कर आवरण को लाइक करना स्वयं के लायक होने का प्रमाण है। नकलियत के अनुकूल जबरन हंसमुखता को प्रमुखता प्रदान करने की कला से ही भला है। घोर निंदक होकर भी दूसरों के सम्मुख हंसमुख दिखाकर उनकी प्रशंसा करने की मंशा वह विशेषण है, जिसका विश्लेषण करना मीटर से किलोमीटर नापना है।

चार दिन की चांदनी यह जिंदगी है। किसी को आईना दिखाना, अर्थात दुर्मति के कारण अपनी दुर्गति कराना है। जैसे फोटो खिंचवाते समय स्माइल प्लीज सुनते ही जबरन हंसना पड़ता है, वैसे ही वर्तमान यारी, रिश्तेदारी एवं दुनियादारी को फीड करने और बची-खुची मौलिकता को डिलीट करने का हुनर हर नर में होना चाहिए। 'समथिंग इज बैटर देन नथिंग' के अनुसार सीधी चतुराई से ज्यादा चालाकी वाली ट्रिक को क्लिक ही करना है। बिल्कुल खुश न रहते हुए भी भरपूर खुश दिखने से ही व्यावहारिकता को प्राथमिकता देना है। भीतर से झुलसते हुए भी बाहर से जबरन हंसते हुए नमस्ते करना ही शिष्टाचार का नीक व सटीक प्रतीक है। डिफेक्टिव होकर भी अट्रैक्टिव तथा अफेक्टिव दिखने के जबरिया नेचर को सिग्नेचर जैसे स्थाई बनाए रखना है। बिकाऊ जिंस की तरह जिस्म को भी दिखाऊ तथा रिझाऊ बनाए रखने के चातुर्य का प्राचुर्य होना परिवार में भी बेहद आवश्यक है।

आधुनिकता के परवाने जैसे दीवाने पति महोदय मिर्ची जैसी सुपत्नी को मिश्री से बढ़कर मीठी कहकर, हर तरह की आपत्ति और विपत्ति से मुक्त रहते हैं। क्रुद्ध होकर भी गृहयुद्ध से बचने के लिए जबरन हंसकर प्राणप्यासी को प्राणप्यारी कहना दुःखिया होकर भी सुखिया दिखने की बुद्धिमानी है। वातावरण के अनुसार ही आचरण होना चाहिए।

अब जब हंसने के दिन आए हैं, तो इसे सामयिक कटु सत्य मानकर उसी में चलने-ढलने में ही सार है। जब सब कुछ ऊपर-ऊपर ही चलता है, तब दिल को छूकर देखने की बात हास्यास्पद है। आज तो हर कमाऊ व्यक्ति बहुत ही बिजी होने के कारण ईजी नहीं रह सकता। इसीलिए नकली या फसली हास्य-मुद्राएं ही बेहद आवश्यक हैं। प्योरिटी की श्योरिटी न होने के कारण नकली फूलों पर इत्र का स्प्रे स्वाभाविक है। खाद्य से लेकर पेय तक शुद्धता की गारंटी या वारंटी नहीं है। मंचों पर संबोधन से लेकर उद्बोधन तक जबरन स्माइल की स्टाइल मोस्ट वांटेड है। केवल लाफ्टर डे पर ही नहीं, रोजमर्रा की जिंदगी में भी जबरन ही सही हंसना ही पड़ता है। *

लघुकथा / विनय मोघे

सबक

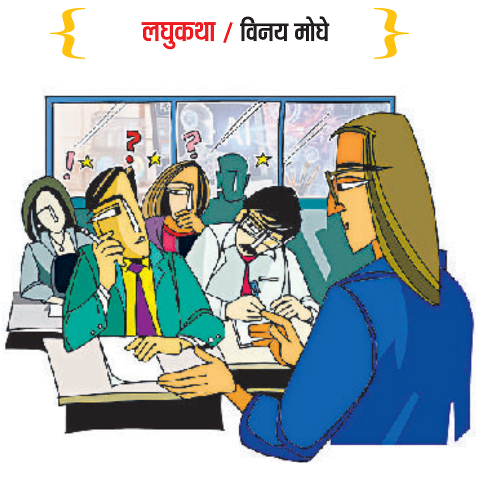

एक बड़ी मल्टी नेशनल कंपनी की इंदौर शाखा के लिए मैनेजर के पद के लिए कंपनी के एचआर विभाग में हजारों की संख्या में ऑनलाइन और ऑफलाइन आवेदन प्राप्त हुए। हर आवेदन पत्र एक से बढ़कर एक। हर आवेदक ने अपनी योग्यता, अनुभव को अपने रिज्यूमे में आकर्षक ढंग से प्रस्तुत किया था। ऐसा लगता था कि लगभग हर रिज्यूमे को एआई की मदद से बनाया गया है। एचआर विभाग के अनुभवी अधिकारियों ने इन आवेदनों में से कुछ आवेदकों को इंटरव्यू के लिए बुलाया। इंटरव्यू के दिन सभी आवेदक अच्छी वेशभूषा में अपने जरूरी दस्तावेजों के साथ कंपनी के दफ्तर में पहुंचे। सभी आवेदकों को एक हॉल में बिठा दिया गया, जैसे स्कूल-कॉलेज में परीक्षा कक्ष में परीक्षार्थियों को बैठाया जाता है। सभी आवेदकों को निर्देश दिए गए कि उन्हें निश्चित समय में अपना रिज्यूमे वहीं लिखकर तैयार करना है, बिना किसी तकनीकी सहायता के। इंटरव्यू के लिए आए आवेदकों के लिए यह अनपेक्षित था। सभी प्रश्नवाचक नजरों से एक-दूसरे को देखने लगे। उनके चेहरे के हाव-भाव बता रहे थे कि लगभग सभी आवेदकों ने एआई की सहायता से ही अपने रिज्यूमे बनाए थे और अब बिना किसी सहायता के अपना वैसा ही प्रभावी रिज्यूमे बनाना उनको मुश्किल लग रहा था। रेज्यूमे जमा करने का समय खत्म होने वाला था। पर इक्का-दुक्का आवेदकों को छोड़कर किसी ने लिखना तक शुरू नहीं किया था। उन्हें देखकर लग रहा था कि कई सालों बाद वे कागज-कलम का उपयोग कर रहे हैं। आवेदकों में कुछ न लिख पाने के कारण बेचैनी दिखाई दे रही थी। समय समाप्त होने पर दो-तीन आवेदकों ने ही अपना रिज्यूमे लगभग वैसा लिखा था, जैसा उन्होंने भेजा था। इसके बाद सभी आवेदकों को प्रतीक्षा कक्ष में इंतजार करने लिए कहा गया। यहां अपनी बारी का इंतजार करते आवेदक एक-दूसरे से यही बात कर रहे थे कि किसी भी काम के लिए एआई की मदद लेना अच्छी बात है, पर पूरी तरह एआई पर निर्भर होकर अपनी कल्पनाशीलता और मौलिक लिखने की योग्यता को कभी नहीं छोड़ना चाहिए। सभी के चेहरे पर इस बात का संतोष दिखाई दे रहा था कि उन्हें जीवन का एक सबक मिल गया था। *

पत्रिका चर्चा / विज्ञान भूषण

पाठ पत्रिका का असम विशेषांक

विगत बीस वर्षों से निरंतर प्रकाशित हो रही त्रैमासिक पत्रिका 'पाठ' अपने विशेषांकों के लिए खासतौर पर चर्चित रहती है। हाल में ही इसका ताजा अंक 'असम विशेष' के रूप में प्रकाशित होकर आया है। इस विशेषांक से गुजरते हुए लगता है, जैसे अपने छोटे कलेवर में भी पाठ पत्रिका, असम की विविधवर्णी साहित्यिक-सांस्कृतिक झांकी को समेटे हुए है। यहां नंदेश्वर दैमारी और सैयद अब्दुल मलिक की अनूदित कहानियों, चंद्रमोहन और दिनकर कुमार की कविताओं के अलावा असमिया कहानियों, असमिया उपन्यासों, असमिया सिनेमा और असमिया समाज-संस्कृति पर अच्छे लेख मौजूद हैं। विश्व विख्यात गायक भूपेन हजारिका के व्यक्तित्व को प्रकट करता बढ़िया लेख भी यहां पढ़ सकते हैं। असमिया पत्रकारिता और बोडो साहित्य के बदलते रचना संसार को रेखांकित करता लेख, इस पत्रिका के महत्व को और बढ़ा देता है। इसके साथ ही इस अंक में हाल में दिवंगत हुए विनोद कुमार शुक्ल, ज्ञानरंजन और रंजीत भट्टाचार्य पर स्मृति लेख भी हैं। *

पत्रिका: पाठ (अप्रैल-जून 2026 अंक) असम विशेष, **संपादक:** देवांशु, **मूल्य:** 125 रुपए, **प्रकाशन स्थल:** बिलासपुर, छत्तीसगढ़

उत्तराखंड के ऑफबीट हिल स्टेशंस
दिखेंगे अनोखे नजारे-मिलेगा सुकून

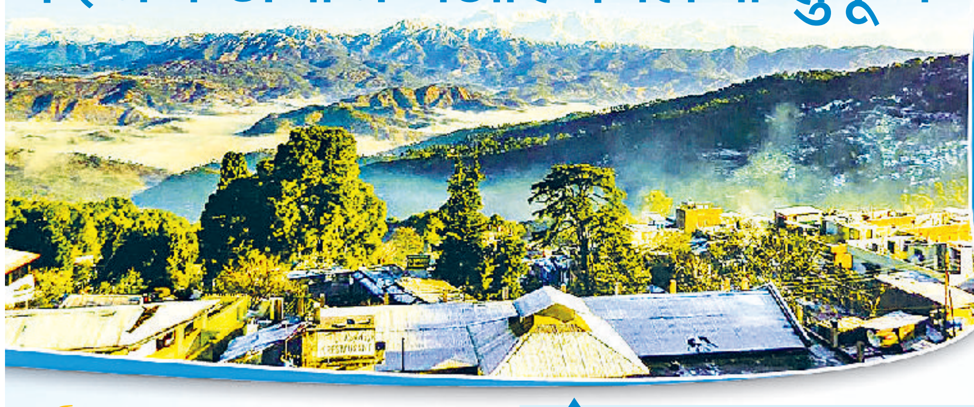

गर्मियों में जब भी हिल स्टेशन पर सैर की बात आती है तो कश्मीर और हिमाचल प्रदेश के साथ ही उत्तराखंड भी पर्यटकों की हिट लिस्ट में शामिल होता है। लेकिन उत्तराखंड में केवल मसूरी, नैनीताल, हरिद्वार या अल्मोड़ा ही नहीं कई ऐसे छोटे ऑफबीट प्लेसेस भी हैं, जहां आपको दिलकश नजारे और अनोखा सुकून मिलेगा। ऐसे ही कुछ स्थलों पर एक नजर।

सैर-सपाटा / समीर चौधरी

इस तपती गर्मी में अगर आप उत्तराखंड की यात्रा करने की सोच रहे हैं तो भीड़-भाड़ भरे हिल स्टेशंस के बजाय इस बार कुछ ऑफबीट प्लेसेस का रुख कर सकते हैं। यहां की हरी-भरी वादियां और ऊंचे पर्वतों के बीच में से निकलती घुमावदार सड़कों से गुजरते हुए आपको अनोखा अनुभव मिलेगा। हम आपको उत्तराखंड में स्थित ऐसे ही कुछ डिफरेंट हिल स्टेशंस के बारे में बता रहे हैं, जो इन गर्मियों में आपके घूमने के लिए परफेक्ट डेस्टिनेशंस हो सकते हैं।

सर्द एहसास कराता है एबट

उत्तराखंड के एबट माउंट हिल स्टेशन के बारे में तो बहुत ही कम लोग जानते हैं, यही वजह है कि यहां लोगों की भीड़ देखने को नहीं मिलती। यह सुंदर जगह चीड़ व देवदार के जंगलों से घिरी हुई है। ब्रिटिश काल में बनाए गए यूनिक कॉटेज, इस जगह की खूबसूरती में चार चांद लगा देते हैं। यहां मौसम हमेशा ठंडा और माहौल बेहद सुकून भरा रहता है। यही वजह है कि यह जगह कपल्स, लेखकों, कलाकारों और अकेले घूमने वालों के लिए बहुत पसंदीदा मानी जाती है। यहां उगते हुए सूरज का सुंदर नजारा देखने के लिए, जंगल घूमने के लिए और पुराने ब्रिटिश कॉटेज देखने के लिए भी आपको जाना चाहिए।

पंगोट का खूबसूरत नजारा

प्राकृतिक सुंदरता-शांति का संगम पियोरा

उत्तराखंड का एक छुपा रुस्तम हिल स्टेशन है पियोरा, जो मुक्तेश्वर के नजदीक है। यह जगह अपनी प्राकृतिक सुंदरता व शांति के लिए विख्यात है। यहां की मोहक वादियों और दूर दिखने वाले हिमालय के पर्वतों का नजारा अत्यधिक सुकून प्रदान करता है। यहां न तो अधिक होटल हैं और न ही भीड़-भाड़ है। इसलिए गर्मियों में घूमने के लिए पियोरा अच्छी च्वाइस हो सकती है। पियोरा में आप जंगल के रास्तों पर ट्रैकिंग कर सकते हैं, डूबते हुए सूरज को देख सकते हैं।

पियोरा की मनमोहक वादियां

सदाबहार वन और घास के मैदान के लिए विख्यात चोपटा

ओक के घने पेड़ों से घिरा पंगोट

नैनीताल के पास पंगोट एक शांत एवं दिलकश हिल स्टेशन है, जो ओक और रोडोडेंड्रोन के जंगलों से घिरा हुआ है। अगर आप ठंडे और सुकून भरे वातावरण घूमते हुए अनेक तरह के पक्षियों को देखना चाहते हैं तो यह स्थान आपके लिए परफेक्ट है। किलबरी बर्ड सेंचुरी यहीं पर है। यहां ट्रैकिंग भी कर सकते हैं।

मिनी स्विटजरलैंड जैसा चोपटा

चोपटा, रुद्रप्रयाग जिले में स्थित एक बेहद सुंदर हिल स्टेशन है, जिसे 'मिनी स्विटजरलैंड' भी कहा जाता है। यहां दूर-दूर तक सदाबहार वन और घास के मैदान फैले हुए हैं। यहां गर्मियों में भी मौसम ठंडा रहता है। ऐसे में सुंदर रास्तों पर ड्राइव करने में बहुत आनंद आता है। पक्षी प्रेमियों के लिए तो यह स्थान जन्नत से कम नहीं है, क्योंकि यहां 240 से अधिक प्रजातियों के पक्षी देखे जा सकते हैं।

प्रकृति की गोद में बसा चौकोरी

उत्तराखंड के कुमाऊं मंडल के पिथौरागढ़ में चौकोरी एक बेहद सुंदर-शांत हिल स्टेशन है, जहां आप बर्फ से ढंकी हिमालय की चोटियां, विशेष रूप से नंदा देवी और पंचचूली के दिलकश नजारे देख सकते हैं। यहां खूबसूरत चाय के बागान भी हैं। इनमें घूमना आपको अनोखे एहसास से भर देगा। प्रकृति की गोद में बसा यह स्थान आपको एक अलग ही अनुभव देगा।

भीड़ से दूर सुकून के लिए जखोल

उत्तरकाशी जिले के बेहद सुंदर हिल स्टेशन जखोल का महत्व इस लिहाज से भी है कि यह पारंपरिक व ऐतिहासिक गांव है, जो सांकरी के पास स्थित है। जखोल को 'पोटैटो विलेज' के नाम से भी जाना जाता है। जखोल में लकड़ी के घर, सीढ़ीदार खेत और सुंदर पहाड़ आप देख सकते हैं। गांव में घूमते हुए स्थानीय पहाड़ी संस्कृति को समझने के लिए भी यह स्थान उपयुक्त है। यहां हिमालयी ट्रैकिंग के कुछ प्रवेश द्वार भी हैं। इस तरह से कहा जा सकता है कि भीड़भाड़ से दूर सुकून और एडवेंचर पसंद करने वालों के लिए उत्तराखंड का जखोल आदर्श पर्यटन स्थल माना जा सकता है। *

सुहाने मौसम के लिए मशहूर खिर्सू

पौड़ी-गढ़वाल के सबसे सुंदर गांवों में से एक है खिर्सू। गर्मियों में भी खिर्सू का मौसम ठंडा व सुहावना रहता है। सुहाना मौसम और नजारे इतने दिलकश कि बर्फ से ढंके हिमालय को देखकर ऐसा जी करता है कि समय ठहर जाए, मंजर बदले ही नहीं। भीड़भाड़ से दूर अगर आपको अच्छे मौसम के साथ शांति भी चाहिए तो आपके लिए खिर्सू परफेक्ट ट्रैवल डेस्टिनेशन हो सकता है। यहां के खास आकर्षणों में सेब के बागान, ओक के जंगल, प्राचीन मंदिर और हिमालय व्यू पॉइंट हैं।

खिर्सू, ऋषिकेश से तकरीबन 130 किमी. के फासले पर स्थित है। ऋषिकेश से खिर्सू पहुंचने का यात्रा अनुभव भी आप कभी नहीं भूल पाएंगे। ऋषिकेश से लगभग 3 घंटे की सड़क यात्रा के बाद आप खिर्सू पहुंचेंगे। वहां कदम रखते ही आपको लगेगा जैसे प्रकृति अपनी बांहें फैलाए आपके स्वागत को तैयार है। प्रकृति प्रेमियों के लिए तो खिर्सू जन्नत सा एहसास देता है- कोई भागम भाग नहीं, बस सुकून भरे पल। वहां पर आप इस गांव की सैर करने के अलावा, हिमालय का अद्भुत नजारा देख सकते हैं। प्राचीन चालेश्वर महादेव मंदिर में भगवान शिव के दर्शन कर सकते हैं। इसके अलावा ट्रैकिंग का लुत्फ उठा सकते हैं और नेचर वॉक कर सकते हैं। सेब के बागानों की सैर करते हुए दूर तक फैले देवदार और चीड़ के जंगल भी खिर्सू के मुख्य आकर्षण हैं। गर्मी की छुट्टियों के अलावा सितंबर से नवंबर या फिर फरवरी मार्च में भी आप खिर्सू जाने की योजना बना सकते हैं। यहां ठहरने के लिए सरकारी गेस्ट हाउस ही सबसे अच्छा विकल्प है।

एंटीकाइथेरा मैकेनिज्म
दो हजार साल पुराना कंप्यूटर

आधुनिक कंप्यूटर का आविष्कार भले ही 19वीं सदी की बात हो। लेकिन आज से लगभग दो हजार वर्ष पूर्व ऐसे डिवाइस मौजूद थे, जो किसी एनालॉग कंप्यूटर की तरह काम करते थे। ऐसे ही एक प्राचीन कंप्यूटर एंटीकाइथेरा मैकेनिज्म के बारे में जानिए।

रोचक / शिखर चंद जैन

आपको शायद यह पढ़कर यकीन नहीं होगा कि आज से 2000 साल पहले भी कंप्यूटर मौजूद था। भले ही वो आज की तरह हाईटेक नहीं था लेकिन उसे कंप्यूटर का पहला स्वरूप माना जाता है।

समुद्र में मिला पहला कंप्यूटर: 1900 के पहले दशक की शुरुआत की बात है। ग्रीस (प्राचीन यूनान) के पास समुद्र की गहराइयों में डूबे एक जहाज के मलबे से मिली एक अजीबो-गरीब चीज ने पूरी दुनिया के वैज्ञानिकों को हैरान कर दिया था। भूमध्य सागर में, एंटीकाइथेरा नाम के एक छोटे से यूनानी द्वीप के पास, कुछ गोताखोर समुद्र की गहराइयों में मोती और स्पंज (समुद्री जीव) खोज रहे थे। उन्हें अचानक समुद्र के तल पर एक पुराना, डूबा हुआ जहाज मिला। यह जहाज सैकड़ों साल पुराना था। गोताखोरों ने मलबे से कई अद्भुत चीजें बाहर निकालीं- सुंदर मूर्तियां, धातु के बर्तन, ढेर सारी कीमती धातुएं और रत्न। लेकिन एक चीज सबसे अलग थी। वह धातु का एक अजीब-सा टुकड़ा था, जिस पर बहुत जंग लगी थी। यह कोई साधारण पत्थर या मिट्टी का बर्तन नहीं था। यह एक मशीन थी, जिसमें बहुत सारे गियर और पहिए लगे थे, ठीक वैसे ही जैसे हाथ घड़ी में होते हैं। इसे एंटीकाइथेरा मैकेनिज्म कहा जाता है।

जब वैज्ञानिक इस जंग लगे टुकड़े को एथेंस के नेशनल आर्कियोलॉजिकल म्यूजियम में ले गए और उसे साफ किया, तो वे हैरान रह गए। यह कोई साधारण टुकड़ा नहीं था, यह दुनिया का सबसे पुराना 'एनालॉग कंप्यूटर' था!

इसलिए माना गया इसे कंप्यूटर: आज के कंप्यूटर बिजली से चलते हैं और उनमें कई चिप लगी होती हैं। एंटीकाइथेरा मैकेनिज्म, बिजली से नहीं चलता था। यह एक मैकेनिकल कंप्यूटर था। इसका मतलब है कि यह छोटे-छोटे धातु के पहियों, जिन्हें गियर कहते हैं, से बना था। एंटीकाइथेरा मैकेनिज्म में कम से कम 30 अलग-अलग गियर थे। जब कोई व्यक्ति इसमें एक हैंडल घुमाता था, तो मशीन के आगे और पीछे लगे डायल पर लगी सुइयां हिलती थीं। यह मशीन कंप्यूटर की तरह ही सटीक गणनाएं करती थी। हजारों साल पहले लोगों के अद्भुत इंजीनियरिंग की समझ का उदाहरण है एंटीकाइथेरा मैकेनिज्म।

कई गणनाओं में था सक्षम: यह एक प्रकार का खगोलीय कैलकुलेटर था, जो अंतरिक्ष के बारे में गणना कर सकता था। यह ग्रहों और चंद्रमा की चाल बता सकता था। यह इस बात की भी गणना कर लेता था कि आने वाले महीनों और सालों में आकाश में चंद्रमा और सूर्य की स्थिति क्या होगी? यह कंप्यूटर पूर्णिमा और अमावस्या के साथ ही ग्रहण की भी गणना कर सकता था।

एंटीकाइथेरा मैकेनिज्म में एक खास डायल था, जिसे सरोस डायल कहते थे। यह डायल सटीक तरीके से बता सकता था कि अगले 18 सालों में सूर्य और चंद्र ग्रहण कब-कब होंगे? उस जमाने में यह किसी आश्चर्य से कम नहीं था।

कंप्यूटर की संरचना: यह मशीन एक लकड़ी के बक्से के अंदर रखी हुई थी और इसके चारों ओर दरवाजे थे, जिन पर निर्देश लिखे थे। वैज्ञानिकों ने एक्स-रे तकनीक का उपयोग करके मशीन के अंदर देखा, उन्होंने पाया कि अंदर के गियर कांस्य यानी कॉपर के बने थे। उनकी संरचना छोटी और जटिल थी। कुछ गियर तो सिर्फ एक मिलीमीटर चौड़े थे। यह दिखाता है कि उस समय के कारीगर कितने कुशल थे। वे जानते थे कि गियर को एक-दूसरे के साथ सही अनुपात में कैसे फिट किया जाए ताकि वे गणितीय/खगोलीय गणनाएं कर सकें।

यह इतना महत्वपूर्ण क्यों है: इस मशीन की खोज से पहले, वैज्ञानिकों को लगता था कि इतनी जटिल मशीनें मध्य युग या पुनर्जागरण काल तक नहीं बनाई गई थीं। एंटीकाइथेरा मैकेनिज्म ने यह सोच बदल दी। इसने साबित कर दिया कि 2,000 साल पहले भी, लोगों के पास अविश्वसनीय तकनीकी ज्ञान था। यह मशीन आज की जटिल घड़ियों, कंप्यूटर और खगोलीय उपकरणों की पूर्वज मानी जाती है। *

टेक्नोइंपैक्ट / अपराजिता

एक समय तक लोग हंसने के लिए एक-दूसरे को चुटकुले सुनाते, सर्कस में जोकर की हरकतें, स्टैंडअप कॉमेडी शो या कॉमेडी मूवीज देखते थे। लेकिन आज एआई और चैट-जीपीटी के जमाने में हंसना-हंसाना भी स्वाभाविक न होकर टेक्नोलॉजी जेनरेटेड होता जा रहा है। हास्य के बदलते ट्रेंड पर एक नजर।

लाफ्टर पर हावी होती टेक्नोलॉजी
हंसने-हंसाने का बदल गया तरीका

हर साल मई के पहले रविवार को वर्ल्ड लाफ्टर-डे मनाया जाता है। आज लाफ्टर-डे है। हास्य दिवस हमें इस बात की याद दिलाता है कि हंसी सिर्फ एक भाव नहीं बल्कि सामाजिक ऊर्जा भी है। एक ऐसी ताकत, जो तनाव, अलगाव और भय को दूर कर देती है। लेकिन इस एआई के दौर में सब चीजें वैसी ही नहीं रहीं, जैसी हम उन्हें अब तक जानते रहे हैं।

हास्य में एआई का हस्तक्षेप

हास्य के क्षेत्र में एआई ने जबरदस्त हस्तक्षेप किया है। आज का हास्य सिर्फ इंसानी अनुभव नहीं है बल्कि एक खास तरह का एल्गोरिद्म बन चुका है, डेटा और मशीन लर्निंग का मिला-जुला रूप है। आज एआई टूल्स ने हास्य को कहीं ज्यादा लोकतांत्रिक बना दिया है। पहले स्टैंडअप कॉमेडी या व्यंग्य लेखन एक विशेष कौशल माना जाता था। लेकिन आज यह कौशल नहीं बल्कि प्रॉम्प्ट्स बनकर रह गया है। आप चैटजीपीटी या किसी भी लार्ज लैंग्वेज मॉडल को कुछ संकेत करिए, वो पल भर में आपको चुटकुले, मीम्स या व्यंग्यात्मक लेख तैयार करके दे देगा। इसका एक सकारात्मक पहलू यह है कि छोटे शहरों, कस्बों और गांवों में भी हंसने की नई-नई विधाएं, नई-नई आवाजें उभर रही हैं। लेकिन इसका एक दूसरा पहलू भी है, जब हर कोई हास्य बना सकता है, तो भला हंसने की जरूरत कहां रहती है? अगर हंसाना कोई खास गुण नहीं है, तो कोई दूसरे के हंसाने पर क्यों हंसेगा?

खो रही मौलिकता

पहले जब हम किसी के मौलिक हास्य से रूबरू होते थे, तो उसे एक खास प्रतिभा मानते थे, जो किसी-किसी को मिलती है। आज एआई ने इसमें भी एक तरह का संकट पैदा कर दिया है। कॉपी-पेस्ट कॉमेडी का खतरा बढ़ चला है। अगर आप गौर से सुनें तो एक हजार चुटकुलों में शायद ही दो-चार ऐसे आपको मिलेंगे, जिन्हें आपने पहले कभी न सुना हो। दरअसल, हास्य का यह मशीनीकरण बहुत गहरे अर्थों में हमें हास्य से धीरे-धीरे दूर कर रहा है क्योंकि मशीन चाहे जितना बढ़िया हास्य भाव या हास्य रस पैदा कर ले, हम इंसान कभी संतुष्ट ही नहीं होंगे, न ही कभी उसे किसी तरह का रचनात्मक कर्म मानेंगे।

हास्य का पर्सनलाइजेशन

हास्य की दुनिया में एआई का एक बड़ा प्रभाव यह भी है कि इसने हंसने की समूची प्रक्रिया का 'पर्सनलाइजेशन' कर दिया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म हमारे व्यवहार, हमारी पसंदगी-नापसंदगी और हमारे देखने के ढंग पर इतनी बारीक निगाह रखती है कि जब वो हमें हास्य परोसती है, तो वही हास्य परोसती है, जिस पर हम हंसते हैं। लेकिन यह शुरू-शुरू में तो हंसाती है, बाद में एक ही जैसे कंटेंट देखकर हम बोर होने लगते हैं। कहने का मतलब यह कि एआई का हास्य जितनी तेजी से आकर्षित करता है, उतनी ही तेजी से हमें विकर्षित भी करता है यानी मोहभंग भी उसी रफ्तार से होता है। क्योंकि एआई हमें एक खास तरह के ईको चैंबर में कैद कर देती है और यह इंसानी फितरत होती है कि वह किसी भी एकरसता से ऊब जाता है, चाहे फिर एकरसता उसकी कितनी ही पसंद की क्यों न हो? हास्य व्यंग्य के सामने एआई ने यही सबसे बड़ा खतरा पैदा कर दिया है कि थोक के भाव में जब किसी किस्म का हास्य तैयार होगा, तो वह कितने दिनों तक हंसा पाएगा या उसके हंसाने में कितने दिनों तक नयापन, ताजगी या अनोखापन रह पाएगा। आज के दौर का सबसे लोकप्रिय हास्य माध्यम मीम है। एआई ने मीम निर्माण को इतना मशीनीकृत कर दिया है कि कोई घटना घटती नहीं कि कुछ ही मिनट में हजारों, लाखों मीम्स तैयार हो जाते हैं। शुरू-शुरू में इस कौशल ने जरूर रोमांचित किया था। क्योंकि उसके पहले इंसान की रफ्तार इतनी तेज नहीं थी, लेकिन आज ये कौशल रोमांच नहीं कर रहा बल्कि कुछ ही देर में उबाने लगता है। एआई का हास्य के क्षेत्र में सबसे बड़ा खतरा यही है कि यह इसे डेड कॉमेडी बनाती जा रही है। *

एआई-लाफ्टर के पांच बड़े ट्रेंड

इंस्टेंट कॉमेडी: यह वो हास्य ट्रेंड है, जिसमें सेकेंडों में चुटकुले और मीम्स तैयार किए जाते हैं।

पर्सनलाइजेशन: आज एआई, हर व्यूवर और हर लिसनर को ध्यान में रखकर उसकी पसंद, नापसंद के मुताबिक हास्य तैयार करता है। यह अलग ही किस्म का हास्य अनुभव है।

ग्लोबल ह्यूमर: आज बाकी क्षेत्रों की तरह ही हास्य की दुनिया में भी भाषा और संस्कृति की सीमाएं टूट रही हैं।

एथिकल चैलेंज: पहले मजाक सिर्फ मजाक तक सीमित रहता था, वह अपमान की हद तक नहीं जाती थी, लेकिन आज एआई के प्रभाव में कॉमेडियन भी हास्य को अपमान की सीमा तक ले जाने में संकोच नहीं करते हैं।

ह्यूमन-एआई सहयोग: यह एक ऐसा भविष्य का कॉमेडी मॉडल है, जो अभी पूरी तरह से सामने नहीं आया है, मगर इसके कुछ-कुछ रूप रंग दिखने लगे हैं, जिससे पता चलता है कि ये बाकी सबसे ज्यादा मशीनी होगा।

लाफ्टर डोज से भरपूर
बेहतरीन कॉमेडी फिल्में

अपने शुरुआती दौर से ही हिंदी फिल्मों में कॉमेडी, दर्शकों का पसंदीदा जॉनर रहा है। इसीलिए कॉमेडी करने वाले एक्टर्स ही नहीं सीरियस एक्टर्स ने भी कई फिल्मों में कॉमेडी की। नए-पुराने दौर की कुछ बेहतरीन कॉमेडी फिल्मों पर एक नजर।

सिने ट्रेंड / अशोक वाधवाणी

रोजमर्रा की भाग-दौड़ और तनाव से कुछ देर राहत पाने के लिए अधिकांश दर्शक हिंदी कॉमिक फिल्में देखना खूब पसंद करते हैं। यही वजह है कि शुरुआती दौर से ही लाफ्टर के डोज से भरपूर एक से बढ़कर एक कॉमेडी फिल्में बनती रही हैं। ऑल टाइम फेवरेट कुछ कॉमेडी फिल्मों और एक्टर्स के बारे में यहां बता रहे हैं।

महमूद की कॉमेडी फिल्में: हिंदी सिनेमा के आरंभिक दौर में नाममात्र की कॉमेडी फिल्में बनती थीं। पुराने दौर के फेमस कॉमेडियन और वर्सेटाइल एक्टर महमूद ने फिल्मों में एक्टिंग के साथ-साथ कई कॉमेडी फिल्मों का निर्माण भी किया। इनमें प्रमुख हैं- 'छोटे नवाब', 'भूत बंगला', 'पड़ोसन', 'बॉम्बे टू गोवा' आदि। 'पड़ोसन' एक कल्ट क्लासिक कॉमेडी है, जो बॉलीवुड कॉमेडी मूवीज का माइलस्टोन है। उत्कृष्ट गीत-संगीत, संवाद के अलावा सुनील दत्त, किशोर कुमार, महमूद और सायरा बानो के बेहतरीन अभिनय का संगम है यह फिल्म। आज भी इस फिल्म का क्रेज कायम है।

किशोर कुमार की यादगार कॉमेडी मूवीज: बेहतरीन गायक और अभिनेता, किशोर कुमार ने भी कई कॉमेडी फिल्मों के माध्यम से दर्शकों को खूब हंसाया-गुदगुदाया। 'हाफ टिकट', 'चलती का नाम गाड़ी', 'दिल्ली का ठग', 'मिस्टर एक्स इन बॉम्बे', 'प्यार किए जा' ऐसी ही फिल्में हैं, जिनमें किशोर कुमार की नायक और गायक दोनों ही भूमिकाओं को दर्शकों का खूब प्यार मिला।

सीरियस डायरेक्टर्स की कॉमिक फिल्में: कॉमेडी फिल्मों के क्रेज को देखते हुए ही सीरियस फिल्में बनाने वाले कई डायरेक्टर्स ने भी कॉमेडी फिल्में बनाईं। हृषिकेश मुखर्जी ने पहले 'गोलमाल' (1979) बनाई जो हिट रही। फिर इसकी सक्सेस से प्रेरित होकर 'चुपके-चुपके', 'रंग-बिरंगी', 'खूबसूरत' जैसी कॉमेडी मूवी बनाकर ऑडियंस को चौंकाया। इसी तरह गुलजार की 'अंगूर' (1982) ऑल टाइम लाइक की जाने वाली कॉमेडी मूवी है। राजकुमार संतोषी की 'अंदाज अपना-अपना' (1994) बढ़िया कॉमेडी मूवी है।

कॉमेडी करने वाले सीरियस एक्टर: दिलीप कुमार जैसे सीरियस एक्टर ने भी 'राम और श्याम', 'गोपी' के अलावा 'आजाद' और 'कोहिनूर' में भी मीना कुमारी के साथ जमकर कॉमेडी की। 'खूबसूरत' में रेखा ने भी अपनी कॉमिक टाइमिंग का कमाल दिखाया। संजीव कुमार जैसे संजीदा अभिनेता ने 'मनचली', 'अपने रंग हजार', 'अंगूर' जैसी फिल्मों में अपनी स्वाभाविक शैली में खूब मनोरंजन किया। अशोक कुमार ने 'विक्टोरिया नंबर 203' में प्राण के साथ मिलकर जबरदस्त कॉमेडी की। इनके अलावा परेश रावल, पंकज त्रिपाठी, नवाजुद्दीन सिद्दिकी, नसीरुद्दीन शाह, ओम पुरी ने भी कई कॉमिक रोल किए हैं।

नए दौर की कॉमेडी फिल्में: हाल के दशकों में आई हिंदी कॉमेडी फिल्मों की बात करें तो निर्देशक प्रियदर्शन ने कुछ बेहतरीन कॉमेडी मूवीज बनाई हैं। 'हेरा फेरी', 'हंगामा', 'हलचल', 'दे दनादन' 'ढोल', 'चुप-चुपके' प्रियदर्शन की ऐसी ही फिल्में हैं, जिन्हें देखते हुए दर्शक लोट-पोट हो जाते हैं। कुछ अन्य फिल्म मेकर्स ने भी कमाल की कॉमेडी फिल्में बनाई हैं। कॉमेडी फिल्म 'धमाल' (2007) की दिलचस्प बात यह है कि फिल्म में कोई एक्ट्रेस नहीं है। 'चाची-420' में कमल हासन और 'आंटी नंबर वन' में गोविंदा लेडीज गेटअप में नजर आए हैं। इन दोनों फिल्मों ने भी दर्शकों को खूब हंसाया।

ये कॉमिक गाने भी हुए हिट: बॉलीवुड फिल्मों में ऐसे कई सॉन्ग्स भी बने हैं, जिनमें कॉमेडी का तड़का है। महमूद पर तो बड़ी संख्या में कॉमेडी गीत पिक्चराइज हुए हैं। 'पड़ोसन' का गीत 'एक चतुर नार, बड़ी होशियार...' को कौन भूल सकता है भला! इसी तरह 'नमक हलाल' का गीत 'पग घुंघरू बांध मीरा नाची थी...' मनोरंजक है। हाल के दौर में इस तरह के गीतों की बात करें तो 'साड़ी के फॉल सा...' (आर. राजकुमार), 'चिंता ता ता चित्ता चित्ता...' (राउडी राठौर), 'मां दा लाडला बिगड़ गया...' (दोस्ताना), 'चलाओ ना नैनों के बाण रे...' (बोल बच्चन) 'हट्टे-कट्टे, उल्लू के पट्ठे। एक ही थाली के चट्टे-बट्टे...' (चश्मे बद्दूर) आदि ऐसे लोकप्रिय गीत हैं, जो गुदगुदाते भी हैं।

क्लाइमैक्स में कॉमेडी: जिस तरह एक्शन फिल्मों का क्लाइमैक्स काबिले गौर होता है, ठीक वही बात कॉमेडी फिल्मों पर भी लागू होती है। निर्माता राज कपूर और निर्देशक राहुल रवैल की जोड़ी की मूवी 'बीवी-ओ-बीवी' के अंत में कार रेस के साथ, रणधीर कपूर द्वारा बाइक पर किया गया पीछा हंगामेदार है। कारों की ऐसी कलाबाजियां होती हैं, जिसे देखकर दर्शक अपनी हंसी रोक नहीं पाते। इसी तरह 'धमाल' (2007) में खजाना पाने की लालसा में सारे कलाकार एक-दूसरे को पछाड़ते हुए आगे निकलने के लिए जो तिकड़में लगाते हैं, वो कहकहे लगाने के लिए काफी हैं। 'वेलकम' (2007) में मधुमक्खियों के छत्ते का झुंड सभी कलाकारों पर आक्रमण करता है। उसके बाद जो भगदड़ मचती है, हंगामा होता है, वो देखने लायक है। प्रियदर्शन की 'हलचल' में अक्षय खन्ना और करीना कपूर के विवाह से पहले मंगलसूत्र को लेकर छीना-झपटी होती है। सबके बीच ऐसी भागदौड़ शुरू होती है कि दर्शक हंसते-हंसते लोट-पोट हो जाते हैं। *